



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 3, 2017/चैत्र 13, 1939

No. 83]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 3, 2017/CHAITRA 13, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3, अप्रैल, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "एमोक्सीलिन" के आयातों पर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क की जांच।

फा. सं. 14/05/2015-डीजीएडी: वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण और संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

- जबकि मैसर्स अरबिन्दो फार्मा लि. (जिसे इसके बाद में आवेदक/घरेलू उद्योग कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन गण (जिसे इसके बाद में संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमोक्सीलिन के पाटन के बारे में तथा संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए जांच की शुरूआत करने के लिए अनुरोध किया है।
- प्रारंभिक जांच के भाग के रूप में विभाग ने फार्मास्युटिकल्स विभाग को एक पत्र लिखा था तथा वर्ष 2011-12 से 2014-15 की अवधि के उत्पादन, उत्पादन की क्षमता, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के किए गए आयातों, यदि कोई हों, के आंकड़ों के साथ-साथ भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों की सूची के लिए अनुरोध किया है।
- और जबकि प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार, आवेदक के द्वारा पाटन, क्षति और कारक संबंध के संबंध में प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त प्रमाण के आधार पर दिनांक 27 अप्रैल, 2016 को एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया ताकि किसी भी कथित पाटन के विद्यमान होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का पता लगाया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाया जाता है, की सिफारिश की जा सके जो घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी के द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरूआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक नोटिस जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे बताई गई प्रक्रिया का पालन किया गया है।

- नियमावली 5 के उपर्युक्त जांच की शुरूआत को अधिसूचित करने के लिए अनुरोध करते हुए घेरलू उद्योग से आवेदन प्राप्त करने के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।
- नियम 6(2) के अनुसार, जांच की शुरूआत करने के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को भी सूचित किया गया था।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उनके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घेरलू उद्योग के पास जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी। इस जांच के पक्षकारों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली प्रत्युत्तर दाखिल करने तथा लिखित में अपने मत देने के लिए अनुरोध किया गया था। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ निर्यातकों को भेजी गई याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां संबद्ध देश के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- घेरलू उद्योग के द्वारा दायर की गई याचिका के अगोपनीय वृत्तांत की प्रति उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास के लिए उपलब्ध कराई गई थी।
- प्रासंगिक सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातकों की प्रश्नावलियां नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को भेजी गई थीं:
 - मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि.
 - मैसर्स सीएसपीसी इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मा कं.
 - मैसर्स झेजियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट आई एंड ई कं.
 - मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि.
 - मैसर्स टीम क्राउन ट्रेडिंग लिमिटेड
- संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने वाले निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं:
 - मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि.
 - मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनटेक कं. लि.
 - मैसर्स झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज ट्रेडिंग कं. लि.
 - द यूनाइटेड लैबोरट्रीज (इनर मंगोलिया) कं. लि.
 - झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कं. लि.
 - मैसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.
 - मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि.
 - मैसर्स टीम क्राउन ट्रेडिंग लिमिटेड
- उपरोक्त प्रत्युत्तरों के अलावा, निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी निवेदन प्रस्तुत किए हैं:
 - चाइना चैम्बर ऑफ कॉर्मस फॉर इम्पॉर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स
 - झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कं. लि. और इसकी संबद्ध कंपनियां
 - इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि. और इसकी संबद्ध कंपनियां
 - नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनटेक कं. लि. और इसकी सहायक कंपनियां।
- नियम 6(4) के अनुसार, निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों, उपभोक्ताओं के पास प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:
 - मैसर्स अजंता फार्मा
 - मैसर्स मैक्सहील फार्मास्युटिकल (इंडिया) लि.
 - मैसर्स लैबोरेट फार्मास्युटिकल इंडिया लिमिटेड
 - मैसर्स कोपरन लिमिटेड
 - मैसर्स मेदी फार्मा ड्रा हाउस
 - मैसर्स एल्केम लैबोरट्रीज लि.
 - मैसर्स मेडिकेफ फार्मा
 - मैसर्स ट्यूटन फार्मास्युटिकल्स
 - मैसर्स फ्लोमिंगो

- ज. मैसर्सरेनबेक्सी लैबोरट्रीज लि.
- ट. मैसर्स एल्केम
- ठ. मैसर्स मैनकाइंड फार्मा
- ड. मैसर्स लैबोरेट
- ढ. मैसर्स सिप्ला
- ण. मैसर्स अबॉट इंडिया
- त. मैसर्स मिकलियोड्स
- थ. मैसर्स मेडरीच

ix. संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने आयातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं।

x. संबद्ध वस्तुओं के अन्य जात उत्पादकों को जांच में भाग लेने हेतु उन्हें निमंत्रित करने के लिए पत्र भेजे गए थे। जांचों के बारे में अपने समर्थन देने की पुष्टि करते हुए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों से प्रत्युत्तर प्राप्त किए गए हैं:

- क. मैसर्स डीएसएम सिनोचेम फार्मास्युटिकल इंडिया प्रा. लि.
- ख. मैसर्स गुजरात डिस्टफ इंडस्ट्रीज
- ग. मैसर्स जी. जी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल प्रा. लि.
- घ. मैसर्स पेनम लैबोरट्रीज लि.
- ड. मैसर्स दलास बायोटेक
- च. मैसर्स पैराबोलिक ड्रग्स
- छ. मैसर्स एसियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स

x.i. जांच की अवधि सहित विगत 3 वर्षों के संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदे-वार व्यौर देने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी के द्वारा प्राप्त कर लिया गया था। सौदों की उचित जांच करने तथा असंबद्ध उत्पादों से संबंधित आंकड़ों को छांटकर अलग करने के बाद में आयातों की मात्रा की गणना करने हेतु प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

x.ii. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निरीक्षण करने हेतु खुली रखी सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तांत प्राधिकारी ने उपलब्ध कराए थे।

x.iii. सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन की अधिकतम लागत और बनाने एवं बेचने की लागत याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर निकाली गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटन शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित किए गए सिद्धांतों के अनुसार प्राधिकारी के द्वारा एनआईपी का निर्धारण किया गया है।

x.iv. प्राधिकारी ने नियमावली 6(6) के अनुसार, प्रासांगिक सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के लिए एक अवसर देने हेतु, 4 अगस्त, 2016 को मौखिक सुनवाई का आयोजन किया जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि, चीन जन गण के निर्यातक और आयातक उपस्थित हुए थे। जो हितबद्ध पक्षकार मौखिक सुनवाई के समय पर अपने मत मौखिक रूप से देने के लिए उपस्थित हुए थे, उन्हें यह सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए अपने मतों के लिखित निवेदन प्रस्तुत करें। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा व्यक्त किए गए मतों के बारे में प्रत्युत्तर निवेदन प्रस्तुत करने हेतु हितबद्ध पक्षकारों को अवसर दिए गए थे।

x.v. निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्यकाल में परिवर्तन होने के कारण तथा एटीएमए मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार नए निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा दिनांक 12 जनवरी, 2017 को एक अन्य मौखिक सुनवाई की गई थी। जिन पक्षकारों ने दूसरी मौखिक सुनवाई के दौरान अपने मत दिए थे, उन्हें प्रत्युत्तर निवेदन के बाद मौखिक रूप से व्यक्त किए गए मतों के बारे में लिखित मैं निवेदन करने के लिए अनुरोध किया गया था।

x.vi. घरेलू उद्योग एवं सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के बारे में आवश्यक समझी गई सीमा तक स्थल पर जांच की गई थी।

xvii. जहां कहीं प्रासांगिक पाया गया, वहां पर इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को प्राधिकारी के द्वारा इस परिणाम में लिखा गया है।

xviii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई थी। संतुष्टि होने पर प्राधिकारी ने, जहां उचित था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ है, वहां पर गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय वृत्तांत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे।

xix. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ कराने से मना कर दिया है अथवा अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में पर्याप्त रूप से बाधा डाली है, तो वहां पर प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकार के असहयोगी माना है तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणामों को रिकार्ड किया है।

xx. इन जांच परिणामों में *** गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी के द्वारा इस प्रकार विचार की गई सूचना को दर्शाता है।

xxi. इस नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी ने 16 फरवरी 2017 को जारी प्रकटन विवरण के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के आवश्यक तथ्यों को प्रकट किया। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण के संबंध में अपनी टिप्पणियां दायर की। हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों का समाधान उस सीमा तक इस जांच परिणाम में किया गया है जहां तक इसे संगत समझा गया।

xxii. 13 अक्टूबर, 2014 से 31 दिसंबर, 2015 तक प्रारंभ हुई जांच अवधि (15 महीने) के लिए जांच की गई थी। तथापि, क्षति जांच में 2012-13, 2013-14, 2014-15 और पीओआई की अवधि शामिल है।

xxiii. प्राधिकारी ने पीओआई (अक्टूबर, 2014 से दिसंबर, 2015) के लिए भारित औसत विनिमय दर 64.17 रु./अमेरिकी डॉलर के रूप में की है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. जांच शुरूआत करने संबंधी अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद "एमोक्सीलिन" है। विचाराधीन उत्पाद को "एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट" के रूप में जाना जाता है।

ख.1. घरेलू उद्योग के विचार

6. घरेलू उद्योग के विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित निवेदन किया है:

- विचाराधीन उत्पादन एमोक्सीलिन अथवा एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट है। एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट एक अर्ध-सिंथेटिक एंटीबायोटिक, एम्बीसिलिन का एक समरूप है, जिसमें बहुत ग्राम पॉजीटिव और ग्राम नेगेटिव माइक्रो-आर्गेनिज्म के प्रति जीवाणु गतिविधि का एक व्यापक स्पेक्ट्रम होता है। रासायनिक रूप से यह (2 एस, 5 आर, 6 आर)-6-(आर-(-)-2-अमीनो-2-पी-हाइड्रोऑक्सी-फिनाइल) एसटामिडो-3, 3-डिमिथाइल-7-ओक्सो-4-थिया-1-अजवाइसाइक्लो (3.2.0) हेप्टान-2-कार्बोक्सिलिक एसिड ट्राइहाइड्रेट है।
- एमोक्सीलिन एक सफेद अथवा लगभग सफेद क्रिस्टालिव पाउडर पानी में हल्का-सा घुलनशील, एथेंॉल में बहुत हल्का-सा घुलनशील (96%) और चर्बी वाले तेलों में व्यावहारिक रूप से घुलनशील होता है। यह हल्के एसिडों में घुल जाता है और अल्काली हाइड्रोऑक्साइड के घोलों में मिल जाता है।
- एमोक्सीलिन का भेषजरोधी बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकने के लिए उपयोग में लाया जाता है।
- यह स्पष्ट किया जाता है कि निम्नलिखित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का रूप नहीं बनते हैं:
 - एमोक्सीलिन सोडियम स्टेरिल एंड फ्लूक्लोक्सालिन सोडियम स्टेरिल,
 - एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट कम्पेक्टेड एम्पिसिलिन ट्राइहाइड्रेट कम्पेक्टेड
 - एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट एंड क्लोवुलेनेट पौटेशियम

ख.2. निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निवेदन:

7. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के बारे में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- i. आवेदक के द्वारा भरोसा किए आयात संबंधी आंकड़ा यह दर्शाता है कि विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में आवेदक ने "एमोक्सीलिन" और क्लेवुलानेट पौटेशियम सहित "एमोक्सीलिन सोडियम" के बारे में भी विचार किया है।
- ii. एमोक्सीलिन सोडियम और क्लेवुलानेट पौटेशियम सहित एमोक्सीलिन सोडियम को एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट से रासायनिक तौर पर परस्पर बदला नहीं जा सकता है। वे तीन अलग-अलग उत्पाद हैं। अतः एमोक्सीलिन सोडियम और क्लेवुलानेट पौटेशियम सहित एमोक्सीलिन सोडियम को स्पष्टता और औचित्यता के लिए विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से विशेष तौर पर बाहर कर देना चाहिए।

ख.3. प्राधिकारी के द्वारा जांच

- 8. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद एमोक्सीलिन है, इसे एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट के रूप में भी जाना जाता है। तथापि, निम्नलिखित किसी के उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा है: एमोक्सीलिन सोडियम, स्टेरिल और फ्लुक्लोसासिपिन सोडियम, स्टेरिल, एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट काम्पेक्टेड एम्बीसिलिन ट्राइहाइड्रेट काम्पेक्टेड एड एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट और क्लेवुलानेट पौटेशियम।
- 9. एमोक्सीलिन ट्राइहाइड्रेट एक अर्ध-सिथैटिक एंटीबायोटिक, एम्बीसिलिन का एक समरूप है, जिसमें बहुत ग्राम पॉजीटिव और ग्राम नेगेटिव माइक्रो-आर्गेनिज्म के प्रति जीवाणु गतिविधि का एक व्यापक स्पेक्ट्रम होता है।
- 10. एमोक्सीलिन का भेषजरोधी बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकने के लिए उपयोग में लाया जाता है। एमोक्सीलिन और अन्य एंटीबैक्टीरियल भेषजों की प्रभावकारीत बनाए रखने के लिए एमोक्सीलिन का ऐसे इंफेक्शनों का उपचार करने के लिए उपयोग करना चाहिए जो बैक्टीरिया की वजह से होते हैं अथवा जिनके बारे में सशक्त रूप में शंका होती है।
- 11. एक जैविक रसायन होने की वजह से एमोक्सीलिन को उप शीर्षक "29411030" के अंतर्गत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और यह किसी प्रकार से वर्तमान जांचों के कार्यक्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है।
- 12. याचिकार्ता ने यह दावा किया है कि भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं तथा संबद्ध देश से भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के बीच में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित और भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विशिष्टियां, मूल्यपर्ची, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं की टैरिफ संबंधी विशिष्टि के अनुसार तुलनीय हैं। वे तकनीकी एवं वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता धेरेलू तौर पर निर्मित और आयात किए गए एमोक्सीलिन का परस्पर बदल पर उपयोग कर रहे हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकार्ता के द्वारा उत्पादित वस्तुओं को नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयात किए गए उत्पाद की समान वस्तुओं के रूप में माना जा रहा है।

ग. धेरेलू उद्योग और उसका आधार

- 13. वर्तमान आवेदन मैसर्स अरबिन्दो फार्मा लि. के द्वारा प्रस्तुत किया गया है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का धेरेलू उत्पादक है।

ग.1. धेरेलू उद्योग के विचार

- 14. विचाराधीन उत्पाद के धेरेलू उत्पादक के रूप में मैसर्स अरबिन्दो फार्मा लि. के द्वारा याचिका दायर की गई है। भारत में एमोक्सीलिन के ज्ञात कुछ उत्पादक हैं।
- 15. याचिकार्ता ने यह दावा किया है कि डीएसएम सिनोकैम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि. ने याचिका का समर्थन किया है। तथापि, डीएसएम ने प्रत्यक्ष रूप से अपना समर्थन देने के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचित किया है।
- 16. याचिकार्ता ने यह प्रस्तुत किया है कि अन्य भारतीय उत्पादकों की वास्तविक उत्पादन की सूचना उहें नहीं मिलती है और इस संबंध में देश में सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कोई सूचना नहीं है। याचिकार्ता ने प्रासंगिक सूचना उपलब्ध करा करके जांचों में सहयोग करने के लिए अन्य ज्ञात उत्पादकों को पत्र भेजकर सटीक सूचना एकत्र करने के लिए प्रयास किए थे। याचिकार्ता ने यह सहमति भी दी कि अन्य कंपनियां प्राधिकारी के साथ सहयोग करने के लिए अनिच्छुक हैं, केवल इस वजह से इससे यह अर्थ नहीं निकलता है कि याचिकार्ता के अधिकारों के बारे में समझौता होना चाहिए। सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध किसी सूचना के न होने की स्थिति में याचिकार्ता ने स्वयं अपनी बाजार आसूचना के आधार पर अन्य उत्पादकों का उत्पादन प्राप्त किया है। अतः याचिका में दिया गया मूल्यांकन संतुलित पक्ष पर सर्वोत्तम अनुमानों पर आधारित है (अर्थात् अधिक बताया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी मामले में वास्तविक सूचना से याचिकार्ता की स्थिति बिगड़ती नहीं है)। याचिकार्ता ने यह तर्क दिया है कि अन्य कंपनियों का वास्तविक उत्पादन याचिकार्ता के आकलन से कम है। साथ ही, अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा ऐसी कोई सूचना यह दर्शाते हुए नहीं दी गई है कि याचिकार्ता के द्वारा किया गया दावे अनुचित हैं।

- 17. याचिकार्ता की कैप्टिव खपत उसकी कुल उत्पादन की तुलना में बहुत कम है। चाहे कैप्टिव खपत पर विचार न किया जाए, पर याचिकार्ता स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करना जारी रखेगा।

- 18. हितबद्ध पक्षकार इस बात की व्याख्या करने में प्राधिकारी को गुमराह कर रहे हैं कि स्थिति का निर्धारण करने के लिए कैप्टिव खपत का अपवर्जन करने के लिए डी ए की अनिवार्य तौर पर आवश्यकता होती है। वास्तव में, हितबद्ध पक्षकार के तरक्की के प्रतिकूल स्थिति का निर्धारण करते समय डब्ल्यूटीओ का निर्णय स्पष्ट रूप से कुल उत्पादन के बारे में विचार करने के लिए है। इसके अलावा, किसी मामले में कुछ परिस्थितियों में कैप्टिव खपत का अपवर्जन करने के लिए प्राधिकारी को दी गई स्वतंत्रता का यह निहितार्थ नहीं होता है कि सभी मामलों में कैप्टिव खपत का अपवर्जन करने हेतु डीए बाध्यकर है।

19. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि एक बड़े अनुपात से अभिप्राय पर्याम एवं महत्वपूर्ण हिस्से से होता है और 50% अथवा अधिक शेयर से नहीं है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में विगत मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्य भी उल्लेख किया है और लुब्रिजोल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी से संबंधित मामले में सेसटेट के निर्णय का भी उल्लेख किया है। चूंकि याचिकाकर्ता का उत्पादन एक बड़ा अनुपात बनता है, चाहे अन्य भारतीय उत्पादक प्राधिकारी को सहयोग करे या न करें, परन्तु याचिकाकर्ता ने कानून के तहत सुरक्षा लेने के लिए पात्रता का दावा किया है और वह स्थिति संबंधी अपेक्षाओं के बारे में संतुष्ट होने का स्वीकार करता है तथा यह पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के अंतर्गत घेरलू उद्योग की पात्रता बनने का स्वीकार करता है।

ग.2. निर्यातक, आयातक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निवेदन

20. हितबद्ध पक्षकारों ने घेरलू उद्योग की स्थिति के बारे में निम्नलिखित निवेदन किए हैं:

- i. घेरलू उद्योग बनने के लिए आवेदक को भारत के कुल घेरलू उत्पादन के एक बड़े भाग को दर्शाना चाहिए "बड़े भाग" वाक्यांश में घेरलू उत्पादक के एक पर्याम भाग को दर्शाने के लिए प्रतिपादित करना होगा और न केवल एक तिहाई भाग को, जैसा कि घेरलू उद्योग के मामले में है।
- ii. घेरलू उद्योग में घेरलू उत्पादक पूर्णतः शामिल होने चाहिए और न कि कुल घेरलू उत्पादकों के भाग।
- iii. नियम 5(3) के अनुसार, जांच शुरू करने से पूर्व डीए को भारत में उत्पादकों और उनके वास्तविक उत्पादन की वस्तु स्थिति के बारे में पूरे ब्यौरे मिलने चाहिए।
- iv. याचिका में भारतीय उत्पादकों के अनुमानित उत्पादन को तैयार करने के लिए अपनाई गई पद्धति के बारे में कुछ नहीं बताया है। साथ ही, गोपनीय सूचना के रूप में अनुमानों का दावा किया है।
- v. भारत में केवल 6 उत्पादक हैं, ऐसा दावा करने के अलावा, भारत में एमोक्सीलिन के बहुत से अन्य उत्पादक भी हैं।
- vi. आवेदक के उत्पादन के 50% से ज्यादा उत्पादन को याचिकाकर्ता कंपनी के द्वारा कैपिटल रूप से उपभोग अथवा निर्यात किया जाता है। यह इस बात को दर्शाता है कि जांच शुरूआत के लिए क्षति का विश्लेषण आवेदक उत्पादक के कुल घेरलू उत्पादन के लगभग 15% उत्पादन पर आधारित था। इसको घेरलू उद्योग के लिए और उसकी ओर से क्षति के मिरूपक विश्लेषण के रूप में नहीं माना जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया और चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "लो ऐश धात्विक कोक" के आयातों से संबंधी पाटनरोधी जांच के संबंध में अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/9/2016-डीजीएडी, दिनांक 20 अक्टूबर, 2016 और पिंग आयरन मैन्युफैकर्चर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय के मामले में 697/98-एडी और सी/63 से 66/99-एडी की अपील संख्या सी/692 में सेसटेट अंतिम आदेश संख्या 6 से 15/2000-एडी देखें।
- vii. आवेदक के द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन तब तक अपूर्ण है, जब तक 60% से ज्यादा उत्पादक प्राधिकारी के पास प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं करते हैं।
- viii. क्षति विश्लेषण तब तक पूर्ण नहीं होगा जब तक निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा भारत में संबद्ध वस्तुओं के सभी उत्पादकों के बारे में आर्थिक मानदंडों के आंकड़ों की जांच नहीं कर ली जाती है।
- ix. यह विशिष्ट रूप से निवेदन किया गया है कि डीएसएम सिनोकेम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि. (डीएसएम) ने याचिका का समर्थन किया है। तथापि, निर्यातकों को इसके प्रमाण स्वरूप कोई सम्प्रेषण उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- x. एडी समझौते के अनुच्छेद 4(1) के तहत अनुज्ञेय अपवादों को छोड़कर जांच प्राधिकारी घेरलू उत्पादकों का अपवर्जन नहीं कर सकते हैं।
- xi. आवेदन का समर्थन अथवा विरोध की सीमा का प्राधिकारी के द्वारा निर्धारण नहीं किया गया है।
- xii. किसी आवेदन का कोई समर्थन अथवा विरोध आवेदन दायर करने के बाद में और जांच की शुरूआत से पूर्व ही किया जा सकता है जो वर्तमान जांच का मामला नहीं है।
- xiii. समर्थन पत्र के अगोपनीय वृत्तांत को हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निरीक्षण हेतु सार्वजनिक फाइल में रखना चाहिए।
- xiv. एडी नियमावली के नियम 5(3) के अनिवार्य स्वरूप में इस बारे में शंका करने की कोई गुंजाइश नहीं होती है कि किसी आवेदन का कोई समर्थन अथवा विरोध आवेदन दायर करने के बाद में और जांच की शुरूआत से पूर्व ही किया जा सकता है जो वर्तमान जांच का मामला नहीं है।

ग.3. प्राधिकारी के द्वारा जांच

21. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स अरबिन्दो फार्मा लि. के द्वारा आवेदन दायर किया गया है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का घेरलू उत्पादक है। उसने संबद्ध देश से एमोक्सीलिन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने को कहा है तथा भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन का 34% उत्पादन करता है तथा प्रासांगिक सूचना उपलब्ध कराई है।

22. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के अलावा विचाराधीन उत्पाद के कुछ अन्य ज्ञात उत्पादक हैं, नामतः

- क. डीएसएम सिनोकेम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि.
- ख. दलास बायोटेक
- ग. पैराबोलिक ड्रास
- घ. पेनम लैबोरट्रीज लि.

ड. एसियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स
 च. जी. जी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि.
 छ. गुजरात डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज

23. याचिका का समर्थन करने वाली मैसर्स डीएसएम सिनोकेम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि. का पत्र प्राधिकारी के पास रिकार्ड हैं। उन्होंने क्षमता, उत्पादन, घेरलू बिक्री, माने गए निर्यातों, निर्यात बिक्रियों, कैप्टिव खपत और अंतःस्टॉक से संबंधित ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। मैसर्स डीएसएम सिनोकेम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि. विचाराधीन उत्पाद के कुल घेरलू उत्पादन का द्योतक है।

24. इसके अतिरिक्त, की जा रही जांचों के समर्थन में मैसर्स गुजरात डाइस्ट्रीज और मैसर्स जी. जी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. तथा मैसर्स एशियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. से प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ है। तथापि, इन पक्षकारों से और सूचना प्राप्त नहीं हुई है। एक विरोधी हितबद्ध पक्षकार के द्वारा यह दावा किया गया है कि क्या समर्थन का एक पत्र ही कंपनी की स्थिति के लिए पर्याप्त है अथवा समर्थन देने वाली कंपनी के द्वारा अपना वास्तविक दावा दर्शाने के लिए प्रश्नावली प्रत्युत्तर को भरना चाहिए। याचिकाकर्ता ने यह बताते हुए उपर्युक्त दावे का न्यायपूर्ण तरीके से खंडन किया है कि समर्थक के द्वारा पूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत करना तब तक अपेक्षित नहीं है, जब तक समर्थन कंपनी स्थिति सुनिश्चित करने के प्रयोजन की होती है।

25. विरोधी पक्षकारों के दावे के संबंध में नियम 5(3) के अनुसार, अन्य उत्पादकों के वास्तविक उत्पादन के बारे में पूरे विवरण प्राप्त करने की जिम्मेदारी डीए की होती है। यह नोट किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा याचिका के दावों सहित, रिकार्ड में उपलब्ध सामग्री और सूचना के आधार पर निर्धारण करना होता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा प्रमाण की पर्याप्तता के बारे में स्वयं को संतुष्ट करना होता है।

26. प्राधिकारी ने उत्पाद के अन्य उत्पादकों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार किया है और जहां पर ऐसी सूचना उपलब्ध नहीं है, प्राधिकारी ने कुल भारतीय उत्पादन का मूल्यांकन के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया है। यह पाया गया है कि जांच का स्पष्टतः समर्थन करने वाले उत्पादकों का शेयर "बड़ा भाग" बनने के पर्याप्त है। इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ में इस जांच के प्रयोजनार्थ घेरलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए पात्र हैं तथा वे यह मानते हैं कि आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार स्थिति संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

घ. जांच करने के लिए हितबद्ध पक्षकार

27. प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के बारे में अपने प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं और उनके आंकड़ों की आवश्यक समझी गई सीमा तक जांच की गई है:

क. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि.
 ख. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनेटेक कं. लि.
 ग. मैसर्स झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. लि.
 घ. द यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (इनर मंगोलिया) कं. लि.
 ड. झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कं. लि.
 च. मैसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.
 छ. मैसर्स टीम क्राउन ट्रेडिंग लिमिटेड
 ज. मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि.

28. उपरोक्त प्रत्युत्तरों के अलावा, निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी निवेदन प्रस्तुत किए हैं:

क. चाइना चैम्बर ऑफ कॉर्मस फॉर इम्पॉर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स
 ख. झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कं. लि. और इसकी सहायक
 ग. इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि. और इसकी सहायक
 घ. नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल्स ग्रुप सेमिसिनेटेक कं. लि. और इसकी सहायक

29. तथापि, किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट का दावा नहीं किया है।

30. जांचों का समर्थन करने वाले निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों से पत्र प्राप्त हुए हैं:

क. डीएसएम सिनोकेम फार्मास्युटिकल्स इंडिया प्रा. लि.
 ख. गुजरात डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज
 ग. जी. जी. केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि.

घ. मैरसर्स एसियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स

31. संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक अथवा प्रयोक्ता ने आयातक की प्रश्नावली प्रत्युत्तर/क्षति निवेदनों को प्रस्तुत नहीं किया है।

ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

च.1 निर्यातक, आयातक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निवेदन

32. हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी याचिका और अपने-अपने क्षति संबंधी दावों में घेरलू उद्योग के द्वारा अपनाई गई पाटन निर्धारण की पद्धतियों समेत वर्तमान जांच के संबंध में कई मुद्दे उठाए हैं। यद्यपि, पाटन और क्षति निर्धारण संबंधी मुद्दों के बारे में इस जांच निष्कर्ष में उपयुक्त स्थलों पर कार्रवाई की गई है, परंतु जांच के पक्षकारों द्वारा उठाए गए सामान्य मुद्दों के बारे में इसमें उस सीमा तक जांच की गई है जिस सीमा तक वे प्रासंगिक है। संक्षिप्तता के लिए पक्षकारों के निवेदनों एवं उनमें उठाए गए मुद्दों को निम्नानुसार संक्षेप में दिया गया है:

क. घेरलू उद्योग के द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है और पाटन एवं क्षति के दावों से संबंधित अधिक आंकड़ों को गोपनीय रखा गया है। उनके बारे में हितबद्ध पक्षकारों ने सार्थक समझ का उत्तर नहीं दिया है और उन पर टिप्पणी नहीं की है।

ख. कि घेरलू उद्योग ने आईबीआईएस से प्राप्त हुए मूल/कच्चे आयात संबंधी आंकड़ों के साथ-साथ सौदे-वार प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों की एकसल फाइल में सॉफ्ट प्रति उपलब्ध नहीं कराई है। नियम 5(2), आवेदन प्रपत्र और 2013 के ट्रेड नोटिस 1 के अनुसार, भारतीय पाटनरोधी कानून के तहत माननीय प्राधिकारी के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में घेरलू उद्योग के लिए एकसल फाइल में आयात संबंधी आंकड़ों को प्रकट करने की अपेक्षा होती है।

ग. आईबीआईएस सूचना का उपयोग करना उपयुक्त नहीं है क्योंकि आईबीआईएस ने कई सौदों के बारे में सूचित किया है जो डुप्लीकेट हैं।

घ. आवेदक के अलावा घेरलू उत्पादकों के कंपनी-वार उत्पादन और बिक्री की मात्रा संबंधी व्यौरों को गोपनीय रखा गया है।

ड. वर्ष 2014-15 में अन्य घेरलू उत्पादकों की बिक्री के आंकड़े पीओआई के आंकड़ों के समान हैं और उन्हें बदला नहीं गया है। उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घेरलू उद्योग के लिए क्षति को दर्शाने की दृष्टि से घेरलू उद्योग ने भ्रामक सूचना उपलब्ध कराई है, जबकि यह नहीं।

च. समय से आवेदन की प्रति उपलब्ध न कराने पर जांच समाप्त कर देनी चाहिए। बढ़ाई गई पीओआई के साथ संशोधित आवेदन पत्र जांच की शुरूआत के 37 दिनों के बाद प्रस्तुत किया गया था और उसे तत्काल अज्ञात कारणों की वजह से सार्वजनिक फाइल में रखा गया था।

छ. पीओआई और पूर्ववर्ती वर्ष में छ: महीनों की एक आच्छादन अवधि है जिसने आवेदन के अगोपनीय वृत्तांत को समझना निर्यातकों के लिए कठिन हो गया है क्योंकि सूचक प्रवृत्ति भ्रामक हो सकती है। जहां तक अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 की अवधि का संबंध है, घेरलू उद्योग के लिए अलग आंकड़े/सूचना उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

ज. अगोपनीय आवेदन में कम किमत पर बेचने और क्षति मार्जिन के कोई व्यौर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

झ. आवेदक ने अपने लिखित निवेदनों में डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़े उपलब्ध कराने का दावा किया है। सौदे-वार आयात आंकड़े गोपनीय स्वरूप के होते हैं और इनको प्रकट करना डीजीसीआईएंडएस की प्रसार नीति के प्रतिकूल है। प्राधिकारी आवेदन पत्र की डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के इसके स्रोतों तथा उनकी सत्यता की सर्ती से जांच कर सकता है।

च.2 घेरलू उद्योग के विचार

33. घेरलू उद्योग ने अपने निवेदन में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का खंडन किया है। इस संबंध में घेरलू उद्योग के निवेदन संक्षेप में नीचे दिए गए हैं:

क. निर्यातकों ने अधिकांश सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है और उन्हें संक्षेप में उचित विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है।

ख. हितबद्ध पक्षकारों ने समस्त ऐसी सूचना प्रकट नहीं की है जिसे नियमों के तहत और इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा अपनाई जा रही कार्य प्रक्रिया के तहत प्रकट करना उनके लिए बाध्यकारी है।

ग. याचिकाकर्ता के द्वारा कुछ भी अधिक गोपनीय होने का दावा नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने गोपनीय के रूप में लागत का निर्धारण करने की सूचना का दावा करने के लिए यथेष्ट कारण दिए हैं।

घ. साथ ही, जो सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं है, ऐसी सूचना की गोपनीयता के लिए दावा किया गया है।

ड. अपेक्षा के अनुसार याचिकाकर्ता ने अगोपनीय याचिका और जांच की शुरूआत के बाद निवेदनों के साथ सौदे-वार आयात आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे आयात आंकड़ों की सॉफ्ट प्रतियों के लिए कोई कानूनी अपेक्षा नहीं है।

च. याचिकाकर्ता ने याचिका में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया है कि यह आईबीआईएस आयात सूचना पर निर्भर है। वस्तुतः आवेदन करते समय जिन आईबीआईएस आंकड़ों पर याचिकाकर्ता ने विश्वास किया है, वे नामात्र के प्रभारों का भुगतान करने पर सार्वजनिक अधिकार क्षेत्र में उपलब्ध है।

छ. साथ ही, याचिकाकर्ता ने एमएस वर्ड का उपयोग करते हुए याचिका की सॉफ्ट प्रति गोपनीय वृत्तांत में निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत की है।

ज. जिस प्रकार विरोधी पक्षकार चाहते हैं, उस तरीके से अगोपनीय वृत्तांत में इसे उपलब्ध कराने के लिए याचिकाकर्ता बाध्यकारी नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों का अधिकार याचिका की प्रति रखने तक ही सीमित है जो उनके पास पहले से ही है। गोपनीय आवेदन निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास किया जाता है तथा हितबद्ध पक्षकारों को कभी नहीं दिया जाता है। ऐसा कोई कानून नहीं है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों की सुविधा और आसानी के लिए अगोपनीय वृत्तांत एक विशेष प्रपत्र में कुछ विशेष सूचना उपलब्ध करना के याचिकाकर्ता की अपेक्षा नहीं होती है।

झ. याचिकाकर्ता ने ऐसे सभी प्रमाण उपलब्ध कराए हैं जिन पर पाटन, क्षति और पाटित आयातों तथा कथित क्षति के बीच में कारणात्मक संपर्क सुनिश्चित करने के लिए विश्वास किया जाता है। कानून में अपेक्षा प्रमाण की होती है और न कि किसी विशेष प्रपत्र में प्रमाण की। उस मामले में नियम 5(2) अथवा नियमावली के किसी अन्य नियम में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि भरोसा किए गए आयात विवरण को अगोपनीय वृत्तांत में एक विशेष प्रपत्र में होना चाहिए।

ज. सौदे-वार आंकड़ों तथा सूचना के स्रोत सहित सभी अगोपनीय सूचना नियमों तथा ट्रेड नोटिस के अनुसार उपलब्ध कराई गई है।

ट. घरेलू उद्योग ने श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना उपलब्ध कराई है। याचिकाकर्ता की जानकारी यह है कि अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन में पूर्व वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

ठ. नियम 5(1) के तहत दायर की गई याचिका की प्रति प्रस्तुत करना कानूनी अपेक्षा है, जो जांच की शुरूआत का आधार बनी है। उक्त दस्तावेज जांच की शुरूआत के तत्काल बाद में सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध था। जांच की शुरूआत, 27 अप्रैल, 2016 को की गई थी और जांच की शुरूआत का आधार बनने वाली याचिका के अगोपनीय वृत्तांत की प्रतियां घरेलू उद्योग के द्वारा दिनांक 3 मई, 2016 को प्रस्तुत कर दी गई थी। याचिकाकर्ता ने 3 जून, 2016 को प्राधिकारी के द्वारा बढ़ाई गई पीओआई के लिए जांच शुरूआत के बाद निवेदन प्रस्तुत किए। हितबद्ध पक्षकारों पर इस कारण की वजह से प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने रोक नहीं थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को अपने हितों का बचाव करने के लिए पर्याप्त अवसर दिए हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतरिम उपायों के लिए बल नहीं दिया है। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतरिम उपायों पर विचार नहीं किया है और इसलिए हितबद्ध पक्षकारों को अपने हितों का बचाव करने के लिए अतिरिक्त समय मिला है।

ड. नियमों के तहत पीओआई के लिए सूचना को सम्पूर्णतः विचार करने की अपेक्षा होती है। खंडशः सूचना प्रस्तुत करने के लिए ऐसी कोई अपेक्षा नहीं होती है। साथ ही, ट्रेड नोटिस में यह स्पष्टतः बताया जाता है कि आच्छादन हो सकता है। सर्वाधिक रूप से निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कई जांच परिणाम जारी किए हैं जिनमें पीओआई पूर्ववर्ती वर्षों से ओवरलैपिंग हो रही थी। भारत में यह एक सुनिश्चित प्रक्रिया है।

च.3. प्राधिकारी के द्वारा जांच

34. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उठाए गए विभिन्न विविध मुद्दों की जांच की गई है। गोपनीयता के दावों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग के द्वारा उठाए गए मुद्दों का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सूचना प्रस्तुत कर रहे विभिन्न पक्षकारों के संभव और व्यवहार्य गोपनीयता दावों की जांच की गई है और पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराई सूचना की प्रकृति के आधार पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया गया है।

35. जांच की शुरूआत के समय और जो मर्दे विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत नहीं है, ऐसी कुछ मर्दों को शामिल करने के समय पर याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत किए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरूआत के समय पर घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्ट्या प्रमाण की जांच की शुरूआत होने से पूर्व प्राधिकारी के द्वारा जांच की गई है तथा प्रथम दृष्ट्या पर्याप्तता के बारे में संतुष्ट होने पर जांच की शुरूआत की गई थी। तथापि, वास्तविक निर्धारण प्रत्युत्तर देने वाले निर्यातकों के वास्तविक आंकड़ों तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य तथ्यों पर आधारित है। अतः पक्षकारों के हितों के साथ किसी तरह से समझौता नहीं किया गया है।

36. अपने आवेदन में याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की पर्याप्तता का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्ट्या प्रमाण की जांच की शुरूआत होने से पूर्व प्राधिकारी के द्वारा जांच की गई है तथा प्रथम दृष्ट्या पर्याप्तता के बारे में संतुष्ट होने पर जांच की शुरूआत की गई थी। तथापि, वास्तविक निर्धारण प्रत्युत्तर देने वाले निर्यातकों के वास्तविक आंकड़ों तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य तथ्यों पर आधारित है। अतः पक्षकारों के हितों के साथ किसी तरह से समझौता नहीं किया गया है।

37. समय से निवेदन करने के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों को अपने हितों की रक्षा करने के लिए तथा प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था।

38. पीओआई और पूर्ववर्ती वर्ष में 6 महीने की अतिव्यापी अवधि के बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अतिव्यापी जांच अवधि होने पर कोई कानूनी रोक नहीं है तथा प्राधिकारी के द्वारा वस्तुतः कई जांच परिणाम जारी किए गए हैं जिनमें पीओआई पूर्ववर्ती वर्ष से ओवरलैपिंग कर रही थी।

39. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों का इस जांच परिणाम के संबंधित अनुभागों में समाधान किया गया है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन

40. चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के प्रति जांच की शुरूआत की गई थी। जैसा कि पहले नोट किया है, चीन जन गण से संबंध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तरों को प्रस्तुत किया है। तथापि, इन उत्पादकों/निर्यातकों में से किसी ने भी एमईटी के लिए दावे हेतु बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली प्रस्तुत नहीं की है:

क. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि.

ख. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनेटेक कं. लि.

ग. मैसर्स झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज ट्रेडिंग कं. लि.

घ. द यूनाइटेड लैबोरट्रीज (इनर मंगोलिया) कं. लि.

ड. झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कं. लि.

च. मैसर्स इनर मंगोलिया चांगसेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.

छ. मैरसर्स शंधाई सनराइज केमिकल कं. लि.
ज. मैरसर्स टीम क्राउन ट्रेडिंग लिमिटेड

छ.1 निर्यातक, आयातक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निवेदन

41. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:

क. निर्मित सामान्य मूल्य और सामान्य मूल्य के मद-बार ब्यौरों को याचिका में गोपनीय के रूप में रखा गया है तथा केवल सामान्य मूल्य की रेंज ही दी गई है।
ख. निवल निर्यात मूल्य के लिए दावा किए गए समायोजनों के बारे में घेरेलू उद्योग ने कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया है।
ग. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए प्रयुक्त पद्धति पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I(7) का उल्लंघन है। प्राधिकारी के द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I(7) में उल्लेख की गई अलग-अलग पद्धतियों को तदनंदर लागू करने के बाद ही सामान्य मूल्य निर्मित करना होता है और यदि पहली दो पद्धतियों से निर्मित करना संभव न हो तो तीसरी पद्धति पर विश्वास किया जा सकता है।
घ. चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण ऑस्ट्रेलिया में प्रचलित सामान्य मूल्य के आधार पर अथवा भारत के लिए तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था से समान वस्तु के आयात मूल्य पर विचार करके किया जा सकता है।
ड. एक हितबद्ध पक्षकार (मैरसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.) ने यह दावा किया है कि वर्तमान जांच में सामान्य मूल्य, उनकी घेरेलू बिक्री तथा संबद्ध वस्तुओं की लागत के आधार पर इस तथ्य के दृष्टिगत निर्धारित करनी चाहिए कि घेरेलू मूल्य और चीन के उत्पादकों की लागत बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों की उपेक्षा करने के लिए 15 वर्षों की अवधि, जिसका डब्ल्यूटीओ के लिए चीन जन गण के एसेसन प्रोटोकोल के पैरा 15(क)(ii) में प्रावधान है, पैरा 15(घ) के अनुसार 11 दिसंबर, 2016 को पिछले महीने समाप्त हो गई है।

छ.2 घेरेलू उद्योग के विचार

42. जांच की अवधि के दौरान एमईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के संबंध में घेरेलू उद्योग के द्वारा किए गए निवेदन और प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक समझे गए निवेदन निम्नानुसार हैं:

क. एसेसन प्रोटोकोल का एक उपबंध 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा चीन के उत्पादकों को नीचे दिए गए कारणों की वजह से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था में कार्य कर रहे उत्पादक के रूप में मानते हुए वर्तमान जांच में कार्रवाई करनी चाहिए।
ख. वर्तमान मामले में प्राधिकारी के द्वारा जांच अवधि अक्टूबर, 2014 से दिसंबर, 2015 (15 महीने) मानी है। क्षति जांच अवधि 2012-13, 2013-14, 2014-15 और पीओआई के रूप में मानी गई है।
ग. पीओआई को निर्धारण का प्रयोजन उस अवधि पर विचार करना है जब क्षतिकारक पाटन का दावा किया हो और यह सुनिश्चित हो। घेरेलू उद्योग के लिए क्षति कारक पाटन का विवादास्पद प्रश्न के लिए निर्धारण की तारीख प्रासंगिक नहीं है। चूंकि घेरेलू उद्योग के लिए क्षति कारक पाटन का तथ्य जांच अवधि के आधार पर सुनिश्चित होता है, इसलिए केवल जांच अवधि के दौरान प्रचलित स्थितियों को ही इस प्रयोजन के लिए प्रासंगिक, उचित और जरूरी मानना चाहिए।
घ. चीन के उत्पादकों को इस वजह से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के रूप में मानना अपेक्षित है कि चीन में लागत और मूल्य बाजार की शक्तियों को उचित रूप से प्रतिबिंబित नहीं करते हैं। अनुबंध-I का पैरा 8 उन मानदंड को विनिर्दिष्ट करता है जिनको बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान करने के लिए विचार करना चाहिए। इसका यह निहितार्थ भी है कि जब तक इन शर्तों को पूरा नहीं किया जाता है, तब तक चीन की लागतों और मूल्यों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
ड. बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का तर्क जांच अवधि के दौरान प्रचलित मापदंडों पर आधारित है। चूंकि चीन की लागतों और मूल्यों को निरस्त करने की वजह अनुबंध-I के पैरा 8 में सूचीबद्ध कारकों के कारण चीन में लागत और मूल्यों की गड़बड़ी (विकृति) है, इसलिए याचिकार्ता यह निवेदन करता है कि यह जांच अवधि है जो कि यह निर्धारण करने के लिए प्रासंगिक होती है कि क्या चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियां हैं अथवा नहीं हैं।
च. चूंकि चीन की कंपनियों को दिसंबर, 2016 तक अनुबंध-I के पैरा 8 में उल्लिखित कारणों की वजह से बाजार अर्थव्यवस्था स्तर देने से मना कर दिया गया है, इसलिए याचिकार्ता का यह निवेदन है कि चीन के उत्पादकों को उस सीमा तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के रूप में मानना होगा। जब जांच अवधि एसेसन प्रोटोकोल में विनिर्दिष्ट अवधि में शामिल होती है।
छ. नियम 2(ख) के संदर्भ में यह सुनिश्चित कानूनी स्थिति है कि घेरेलू उत्पादक के द्वारा आयातों अथवा निर्यातकों अथवा आयातकों से उनके संबंध के बारे में जांच अवधि के संदर्भ में जांच की जाती है। यदि स्थिति के प्रयोजनार्थ केवल पीओआई प्रासंगिक हो, तो केवल पीओआई ही सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए प्रासंगिक होनी चाहिए।
ज. चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था परिवेश के अंतर्गत प्रचालन कंपनी के रूप में मानना अपेक्षित है तथा प्राधिकारी अनुबंध-I के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई कर सकते हैं।
झ. चीन में सामान्य मूल्य का एक बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस वजह से निर्धारण नहीं किया जा सकता है कि प्रासंगिक सूचना प्रासंगिक तौर पर उपलब्ध नहीं है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्मित लागत के आधार पर ही करना चाहिए।

छ.३ प्राधिकारी के द्वारा जांच

(क) चीन जन गण में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

43. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1, पैरा 8 के अनुसार किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक (निर्यातकों) पैराग्राफ 8 में उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना और पर्यास प्रमाण उपलब्ध कराता है तथा इसे प्रतिकूल साबित करता है। चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्यास प्रमाण प्रस्तुत करने अपेक्षित होते हैं, ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंड पर विचार कर सके कि क्या:

क. कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित मूल्यों, लागतों और निवेशों के संबंध में चीन गणराज्य में संबंधित फर्मों के द्वारा निर्णय बाजार के संकेतों के प्रत्युत्तर में आपूर्ति और मांग को दर्शाती हुए तथा इस बारे में राज्य के हस्तक्षेप के बिना निवेश किए जाते हैं तथा क्या वृहद निवेशों की लागतें बाजार मूल्यों को पर्यास रूप से दर्शाती हैं।

ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्वकर्ता गैर-बाजार अर्थव्यवस्था सिस्टम काफी विकृति के अध्यधीन है, विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते डालने, विनियम व्यापार तथा ऋणों के मुआवजे के द्वारा भुगतान के संदर्भ में विकृतियों के अध्यधीन है।

ग. ऐसी फर्मों दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के अध्यधीन होती है जो फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता और स्थिरता की गारंटी देती हैं।

घ. विनियम दर को बाजार दर पर बदला जाता है।

44. प्राधिकारी ने चीन जन गण के निर्यातकों के लिए निर्यातक की प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट (एमईटी) पर प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। तथापि, किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी चीन जन गण के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करने के लिए इसे उपर्युक्त समझते हैं जिसमें निम्नानुसार प्रावधान है:

‘गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तवित रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।’’

45. चीन के सामान्य मूल्य का निर्धारण ऑस्ट्रेलिया में प्रचलित सामान्य मूल्य के आधार पर अथवा भारत के लिए तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था से समान वस्तु के आयात मूल्य पर विचार करके निर्धारण किया जाए। इस बारे में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के दावे का जहां तक संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इस संबंध में किसी भी पक्षकार ने कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। अतः प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार कार्रवाई की है।

46. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित किसी एक आधार पर किया जा सकता है:

क. तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत के आधार पर अथवा

ख. तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में निर्मित मूल्य, अथवा

ग. भारत सहित अन्य देशों के लिए ऐसे तीसरे देश से मूल्य।

घ. यदि ऊपर बताए गए विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता हो, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समान उत्पाद के लिए भारत में भुगतान किए गए मूल्य अथवा देश मूल्य सहित किसी अन्य उचित आधार पर विधिवत समायोजित सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।

47. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ अनुबंध-1 के पैरा 7 को ध्यान में रखकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। उत्पाद की लागत पर उचित लाभ सहित घेरलू उद्योग के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार वृहद कच्चे माल की अधिकतम खपत घेरलू उद्योग के द्वारा अनुमत स्तरों तक परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए व्यय को ध्यान में रखते हुए भारत में चीन से आयातित संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य निर्मित किए गए हैं। तदुसारा, इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य को नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

(ख) निर्यात मूल्य

48. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में निर्यातक की प्रश्नावली प्रत्युत्तर को प्रस्तुत नहीं किया है:

क. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि.

ख. मैसर्स नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनेटेक कं. लि.

ग. मैसर्स झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. लि.

- घ. द यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (इनर मंगोलिया) कं. लि.
- ड. झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कं. लि.
- च. मैसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.
- छ. मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि.
- ज. मैसर्स टीम क्राउन ट्रेडिंग लिमिटेड

नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि. (एनसीपीसी) और नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनटेक कं. लि. (सेमीसिनटेक)

49. वर्तमान जांच की शुरूआत के अनुसरण में नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. (एनसीपीसी) और इसकी सहायक कंपनी, नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमीसिनटेक कं. लि. (सेमीसिनटेक) के द्वारा निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। एनसीपीसी एमोक्सीलिन का उत्पादन नहीं करती है। यह सिर्फ सेमीसिनटेक के द्वारा उत्पादित एमोक्सीलिन का निर्यात करती है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान एनसीपीसी ने *** अमेरिकी डॉलर के कुल बीजक मूल्य की संबद्ध वस्तुओं के *** मी. टन का भारत को निर्यात किया था। इक्यू प्रत्युत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, भारत के लिए एनसीपीसी की निर्यात बिक्री, सीआईएफ आधार पर थी और *** दिनों की एलसी शर्तों पर है। अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, रख-रखाव प्रभार, समुद्री बीमा, ब्याज, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभार और ***% के रिफंड न करने योग्य वैट की वजह से एनसीपीसी के द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने एनसीपीसी के लिए फैक्ट्री से बाहर निर्यात मूल्य का निर्धारण किया, जो नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

यूनाइटेड लैबोरेट्रीज इनर मंगोलिया (उत्पादक/निर्यातक), झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कं. लि., चीन (उत्पादक/निर्यातक), झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. (निर्यातक) और टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)

50. प्रश्नावली का उत्तर झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कं. लि., चीन और यूनाइटेड लैबोरेट्रीज इनर मंगोलिया (उत्पादक/निर्यातक) द्वारा दायर किए गए हैं। इन दोनों कंपनियों ने प्रत्यक्ष तौर पर भारत में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। इसके अलावा, इन दोनों कंपनियों ने अपनी ट्रेडिंग कंपनियों नामतः झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. और टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी, जिन्होंने भी निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दाखिल किया है, के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। हालांकि, यह देखा गया है कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (झोंगशन) कंपनी (झोंगशन शाखा) भी चीन में विचाराधीन उत्पाद का एक उत्पादक है तथा यह कंपनी दो उत्पादकों एवं दो निर्यातकों, जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर दाखिल किया है तथा वर्तमान जांच में भाग लिया है, से संबंधित है। हालांकि, प्रकटन विवरण में यह नोट किया गया था कि यह तथ्य कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (झोंगशन) कंपनी (झोंगशन शाखा) विचाराधीन उत्पाद का एक उत्पादक है, का प्रकटन अधिकारी के समक्ष नहीं किया गया है और ऐसे वास्तविक तथ्यों को उत्पादक-निर्यातकों द्वारा छिपाया गया है। प्राधिकारी उत्तर देने वाले उत्पादकों-निर्यातकों को अलग-अलग पाटन मार्जिन का दावा अस्वीकार करने के लिए बाध्य था। प्राधिकारी ने इस संबंध में प्रकटन विवरण में नोट किया था कि यह तथ्य कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (झोंगशन) कंपनी लिमिटेड भारत में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया होगा अथवा नहीं किया होगा, पूर्ण रूप से गलत था।

51. प्रकटन के बाद निर्यातक ने यह स्पष्ट किया है कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (झोंगशन) कंपनी (झोंगशन शाखा) एक कंपनी नहीं है बल्कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज (झोंगशन) कंपनी लिमिटेड, चीन (उत्पादक/निर्यातक) का एक भाग/शाखा/प्रभाग है। निर्यातक ने यह भी दावा किया है कि झोंगशन शाखा भारी मात्रा में दवा का उत्पादन नहीं करता है। यह केवल तैयार माल बनाता है। इसके अलावा, झोंगशन शाखा ने भारत में निर्यात नहीं किया है। प्रकटन के बाद, उपर्युक्त दावों के समर्थन में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य की जांच करने के बाद प्राधिकारी अब झुहाई समूह के उत्तर देने वाले उत्पादकों-निर्यातकों को अलग-अलग पाटन मार्जिन देने के लिए विचार करते हैं।

52. इसके अतिरिक्त आर्थिक और वाणिज्यिक परामर्शदाता का कार्यालय, चीन जनवादी गणराज्य ने भी प्रकटन पश्चात टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनकी जांच के अनुसार झोंगसांग ब्रांच युहाईयूएल की संबद्ध कंपनी नहीं है, यह युहाईयूएल की एक शाखा संगठन मात्र है। यह भी उल्लेख किया गया है कि झोंगसांग ब्रांच युहाईयूएल के संयंत्रों में से एक है जोकि तैयार उत्पाद का उत्पादन करती है और यह विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं करती है।

53. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज कंपनी लिमिटेड, चीन और यूनाइटेड लैबोरेट्रीज इनर मंगोलिया ने भारत में प्रत्यक्ष रूप से तथा अपनी ट्रेडिंग कंपनियों नामतः झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. और टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से *** अमेरिकी डॉलर के कुल बीजक के मूल्य के कुल *** मी. टन निर्यात किया है। इसके अलावा, झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं. ने भी भारत में टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से निर्यात किया है। निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, भारत में झुहाई समूह की निर्यात बिक्री सीआईएफ आधार पर की गई थी और *** दिवस एलसी शर्तों पर है। झुहाई समूह द्वारा अंतर्देशीय दुलाई, समुद्री भाड़ा, पतन रख-रखाव प्रभार, समुद्री बीमा, ब्याज, बैंक सूद, *** प्रतिशत का वापस न करने योग्य वैट के कारण किए गए दावे के समायोजन पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने नीचे दी गई तालिका के अनुसार, झुहाई समूह के लिए एक्स-फैक्ट्री निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

मैसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि.

54. निर्यातक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि. (चांगशेंग) एमोक्सीलिन की उत्पादक और निर्यातक कंपनी है। भारत के लिए सभी निर्यात चंगसेंग द्वारा किए जाते हैं।

55. ईक्यू प्रत्युत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान चांगशेंग ने भारत के लिए *** अमेरिकी डॉलर के कुल बीजक मूल्य के संबंधित उत्पाद के कुल *** मी. टन का निर्यात किया। ईक्यू प्रत्युत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत के लिए चांगशेंग की निर्यात बिक्री सीआईएफ आधार पर थी तथा *** दिनों को एलसी शर्तों पर है। अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, रख-रखाव प्रभार, समुद्री बीमा, ब्याज, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभार और ***% के रिफंड न करने योग्य वैट की वजह से चांगशेंग के द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने चांगशेंग के लिए फैक्ट्री से बाहर निर्यात मूल्य का निर्धारण किया, जो नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि. (सनराइज)

56. मैसर्स शंघाई सनराइज केमिकल कं. लि. (सनराइज) शंघाई में एक निर्यात व्यापार कंपनी है। सनराइज प्रत्यक्ष रूप से अथवा उस देश में एजेंट के जरिए भारत सहित बहुत से देशों के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करती है। तथापि, सनराइज ने अपने प्रत्युत्तर में उन उत्पादकों के नाम, जिनसे वे विचाराधीन उत्पाद भारत के निर्यात हेतु प्राप्त किए एसे निर्यातों की मात्रा और मूल्य का ब्यौरा, संबद्ध वस्तुओं का उत्पादकों के साथ सनराइज के संबंध आदि के बारे में नहीं बताया है। इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि सनराइज के द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रत्युत्तर अधूरा है। अतः निरस्त किया है।

(ग) पाटन मार्जिन

प्रतिवादी निर्यातक

57. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्यों को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन की नीचे दी गई सारणी में गणना की गई है।

चीन से अन्य सभी निर्यातक

58. आयात आंकड़ों के अनुसार, पीओआई के दौरान चीन से कुल 1255 मी. टन संबद्ध वस्तुओं का आयात किया गया था जिसमें से उत्तर देश वाले निर्यातकों ने कुल *** मी. टन का निर्यात किया। इसलिए इस अवधि के दौरान चीन से अन्य निर्यातकों के द्वारा संबद्ध वस्तुओं का काफी मात्रा में निर्यात किया गया है। इन निर्यातकों का सहयोग न होने की वजह से चीन से सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन नीचे दी गई सारणी के अनुसार चीन से सहयोगी निर्यातकों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना को ध्यान में रखकर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निर्धारित किया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्रम सं.	उत्पादन	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन अमेरिकी डॉलर/किग्रा.	पाटन मार्जिन %
1	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल मुप सेमिसिनेटेक कं. लि. (सेमिसिनेटेक)	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं. लि. (एनसीपीसी)	***	***	***	15%-25%
2	इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि. (चांगशेंग)	इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं. लि. (चांगशेंग)	***	***	***	10%-20%
3	झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं. लि. यूनाइटेड लैब्रोटरीज (इनर मंगोलिया कं. लि.)	झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं. लि. यूनाइटेड लैब्रोटरीज (इनर मंगोलिया कं. लि.) झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं. लि. झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज	***	***	***	10%-20%

	ट्रेडिंग कं.				
	टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी				
4	अन्य सभी	****	****	****	40-50%

छ. क्षति का निर्धारण और कारणात्मक संबंध

59. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण के "..... समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों की मात्रा, मूल्यों पर इनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए " उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग के लिए क्षति को निर्दिष्ट कर सकते हैं कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह जांच करना जरूरी समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तुओं के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्य में काफी कमी हो रही है अथवा क्या ऐसे आयातों से काफी सीमा तक कीमतें अन्यथा नियंत्रित हुई हैं अथवा कीमत में वृद्धि रुकी है जो काफी सीमा तक अन्यथा बढ़ गई है।

60. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन पत्र मैसर्स अरिबन्दो फार्मा लि. के द्वारा प्रस्तुत किया गया है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का एक घरेलू उत्पादक है और भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन के एक बड़े भाग को नियंत्रित करता है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, याचिकाकर्ता को इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। इसलिए, इसके निर्धारण के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता की लागत और क्षति की सूचना की जांच की गई है और यह नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है।

छ.1. घरेलू उद्योग की क्षति के दावों के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

61. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने-अपने निवेदनों में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि:

क. व्यापारी के लिए कमीशन की वजह से घरेलू उद्योग ने पहुँच मूल्य को मनमाने दंग से कम कर दिया है। ऐसे तरीके से पहुँच मूल्य को कम करने का एक ही कारण हो सकता है, वह मूल्य में बनावटी दंग से कमी को दर्शाना है जो वर्तमान मामले में अन्यथा नहीं होती है।

ख. वर्ष 2014-15 में अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री पीओआई के आंकड़ों के समान है और उन्हें बदला नहीं गया है। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति को दर्शाने के लिए घरेलू उद्योग ने भ्रामक सूचना उपलब्ध कराई है जबकि ऐसा नहीं होता है।

ग. वर्तमान जांच में एक द्योतक और सार्थक विश्लेषण करने के लिए अन्य घरेलू उत्पादकों से क्षति की सूचना भी प्राप्त की जा सकती है।

घ. कोई क्षति नहीं है और वर्तमान जांच में कारणात्मक संबंध नहीं है क्योंकि तत्काल पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में चीन से आयातों में लगभग 17% की कमी हुई है और कुल मांग में आयातों का बाजार हिस्सा भी उसी अवधि में लगभग 3% कम हो गया है।

ड. आवेदक उत्पादक की बिक्री और बाजार हिस्से पर आयातों से प्रभाव नहीं पड़ा है अपितु मांग में कमी और घरेलू उत्पादकों में परस्पर प्रतिस्पर्द्धा जैसे अन्य कारणों से प्रभावित हुई है।

च. घरेलू कीमतों में 10% की गिरावट तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में नियर्यात मूल्यों में गिरावट से काफी अधिक है।

छ. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और सामान सूची का विश्लेषण प्रासंगिक नहीं है क्योंकि प्रार्थी आवेदक का संबद्ध वस्तुओं के अपने कुल उत्पादन के लगभग ***% का पर्याप्त नियर्यात और कैप्टिव खपत है तथा यह उसी क्षमता से अन्य उत्पादों का भी निर्माण करता है। साथ ही, आवेदन में औसत सामान सूची का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है अपितु अन्तः सामान सूची दी गई क्योंकि यह अंतः सामान सूची होती है जो क्षति को दर्शाएगी लेकिन औसत सामान सूची अथवा प्रारंभिक सामान सूची क्षति को नहीं दर्शाएगी। अतः इन कारकों के आधार पर क्षति के बारे में किसी प्रकार का अंतिम जांच परिणाम भ्रामक होगा।

ज. प्रारंभिक स्टॉक में सूचक प्रवृत्ति पीओआई में धीरी बढ़ोत्तरी को दर्शाती है जिसका केवल घरेलू उद्योग के उत्पादन और कुल बिक्री के अनुरूप होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

झ. वर्ष 2014-15 में जब आयात अधिकतम थे, तब आधार वर्ष 2012-13 की तुलना में इसी वर्ष में कंपनी के लाभ में ***%, नकद लाभ में ***% और ब्याज से पूर्व लाभ में ***% की वृद्धि हुई और विश्लेषण करने से यह देखा गया है कि जब पीओआई में आयातों में ***% की गिरावट हुई, तब एपीएल को हानियां हुईं यह इस बात को दर्शाता है कि आयातों और प्रार्थी उत्पादक के लाभ/हानियों के बीच में कोई संबंध नहीं है।

ज. प्रार्थी घरेलू उत्पादक के द्वारा लगाए गए कर्मचारियों की संख्या स्थिर रही है, तथापि, मजदूरियों में धीरे-धीर बढ़ोत्तरी हुई है।

ट. क्षति जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्यों में 14% बढ़ोत्तरी हुई, जबकि घरेलू उद्योग अपने मूल्यों में केवल ***% बढ़ोत्तरी कर सका। आगे विश्लेषण करने पर यह देखा गया कि पहुँच मूल्य में पीओआई में पूर्ववर्ती वर्ष 2014-15 की तुलना में 4% की गिरावट हुई जबकि घरेलू कीमतों में इसी अवधि में ***% की गिरावट हुई।

ठ. जब क्षमता समान रहती है, तब मूल्य हास और जीएफए/एनएफए कम होने के बजाए बढ़ा। इसी प्रकार जब क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई, तब मूल्यहास और जीएफए/एनएफए में गिरावट आई। यह इस बात को दर्शाता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन अन्य उत्पादों के निष्पादन पर निर्भर है लेकिन पारित आयातों की वजह से प्रभावित नहीं होते हैं।

ड. उत्पादकता में गिरावट और मजदूरियों में बढ़ोत्तरी से एपीएल के निष्पादन पर प्रभाव पड़ा है।

ढ. चीन जन गण के आयातों से मूल्य में पर्याप्त कमी नहीं हो सकी है क्योंकि जब निर्यात मूल्य अधिकतम है तब मूल्य में कमी भी (आवेदन के अनुसार) उच्चतम है।

ण. वर्ष 2014-15 में आवेदक की समग्र लाभप्रदता और राजस्व में काफी बढ़ोत्तरी हुई जो आवेदक की उक्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट से स्पष्ट है।

त. संबद्ध देश से आयातों के मूल्य को नियंत्रित करने का कारक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि कमीशन को लेखे में लेने के बाद में पहुँच मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई है।

थ. घरेलू उद्योग प्रति यूनिट बिक्री लागत और उसके घरेलू विक्रय मूल्य की प्रवृत्ति में सामान्य बढ़ोत्तरी हुई है।

द. देश में पर्याप्त मांग के बावजूद, आवेदक ने उत्पादन में पर्याप्त बढ़ोत्तरी नहीं हुई है, जिससे मांग और आपूर्ति में अंतर हुआ है।

छ.2. घरेलू उद्योग के विचार

62. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

क. क्षति अवधि के दौरान आयातों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है।

ख. पीओआई में आयात काफी अधिक है।

ग. क्षति अवधि के दौरान मूल्य में काफी कमी हुई है।

घ. चूंकि घरेलू उद्योग के द्वारा भुगतान किए गए कमीशन को एनआईपी के निर्धारण और बिक्रियों की वसूलियों को ध्यान में रखा जाता है, इसलिए पहुँच मूल्य से भारतीय आयातक को भुगतान किए कमीशन को काटना उचित है। आयात मूल्य से एनआईपी की तुलना से स्पष्ट तुलना करना बनता है।

ड. बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें आयातों से नियंत्रित हो रही हैं। साथ ही, घरेलू उद्योग के द्वारा जबकि अपने मूल्यों में बढ़ोत्तरी करनी चाहिए, घरेलू उद्योग मूल्यों को कम करने के लिए मजबूर हुए हैं।

च. बिक्रियों, मात्रा, उत्पादन, क्षमता उपयोग, सामान सूचियों और बाजार हिस्से के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निष्पादन विकृत हो गया है।

छ. लाभ, नकद प्रवाह और निवेशों पर लाभ के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निष्पादन विकृत हो गया है।

ज. उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से के संदर्भ में विकास नकारात्मक है। पीओआई में लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभों ने भी प्रतिकूल निष्पादन दर्शाया है।

झ. पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से न केवल अधिक है अपितु पर्याप्त भी है। क्षति मार्जिन भी सकारात्मक है और बिल्कुल पर्याप्त है।

ज. वास्तविक क्षति के अलावा, सधन पाटन का खतरा है तथा पारित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

63. घरेलू उद्योग ने निश्चित शुल्कों के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया है।

छ.3. प्राधिकारी के द्वारा मुद्दों की जांच

64. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्क और उनमें उठाए गए विभिन्न मुद्दों का इसके नीचे प्रासंगिक पैराग्राफ में कर्तव्याई की गई है:

क. विरोधी हितबद्ध पक्षकार के इस दावे के बारे में कि घरेलू उद्योग ने मूल्यों में बनावटी तौर पर हुई कमी को दर्शाने के लिए व्यापारी को कमीशन देने के बजह से पहुँच मूल्य में मनमाने ढंग से कमी की है, प्राधिकारी ने इसे नोट किया है और व्यापारी को कमीशन देने की वजह से पहुँच मूल्य को कम नहीं किया।

ख. इस दावे के बारे में कि वर्ष 2014-15 में अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री पीओआई के आंकड़ों के समान है और उन्हें बदला नहीं गया है, यह नोट किया है कि अन्य भारतीय उत्पादक की वास्तविक बिक्री की मात्रा के बारे में किसी जांच योग्य सूचना न होने की स्थिति में प्राधिकारी ने उपलब्ध सबसे अच्छी सूचना पर भरोसा किया है।

ग. वर्तमान जांच में एक द्योतक और सार्थक विशेषण करने के लिए अन्य घरेलू उत्पादकों से क्षति की सूचना भी प्राप्त की जा सकती है। यह नोट किया है कि किसी भी अन्य उत्पादन ने इस संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। अतः प्राधिकारी ने उपलब्ध सबसे अच्छी सूचना पर भरोसा किया है।

घ. इस दावे के बारे में कि आवेदक उत्पादक संबद्ध वस्तुओं के अपने कुल उत्पादन के लगभग ***% का पर्याप्त निर्यात करता है और कैप्टिव खपत है और यह इसी क्षमता से अन्य उत्पादों का भी विनिर्माण करता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र एक बार अवश्य हो गया हो तो उसके बाद प्राधिकारी ऐसे घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण करेंगे। अपनी घरेलू बिक्री के बारे में याचिकाकर्ता के द्वारा दावा की गई क्षति के आधार पर ही विचाराधीन उत्पाद की घरेलू बिक्री के संबंध में क्षति विशेषण किया गया है।

ड. इस दावे के बारे में कि क्षमता और मूल्यहास के मानदंड असंगत होते हैं और यह दर्शाते हुए कि घेरेलू उद्योग का निष्पादन अन्य उत्पादों के निष्पादन पर निर्भर होता है लेकिन पाटित आयातों की वजह से प्रभावित नहीं होता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकार्ता विचाराधीन उत्पाद सहित उसी संबंध से कई उत्पादों का उत्पादन करता है। याचिकार्ता प्रत्येक उत्पाद के लिए उपयोग में लाए गए मशीन घंटों के आधार पर बांटता है। उपयोग किए गए मशीन घंटे प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करते हैं। चूंकि मूल्यहास और जीएफए/एनएफए उपयोग किए गए मशीन घंटों के आधार पर बाटे जाते हैं, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के लिए सर्वोत्तम उपयोग को ध्यान में रखते हुए इन मानदंडों में बढ़ोत्तरी और गिरावट उपयोग में लाए गए मशीन घंटों पर निर्भर करती है और न कि उत्पादन के लिए क्षमता पर।

च. इस दावे के बारे में कि आवेदक की समग्र लाभप्रदता और राजस्व में वर्ष 2014-15 में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हुई है, जैसा कि आवेदक की वार्षिक रिपोर्ट से स्पष्ट है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकार्ता एक बहु-उत्पाद, एक बहु-स्थापना-स्थल कंपनी है। अतः वार्षिक रिपोर्ट सम्पूर्ण कंपनी के निष्पादन को दर्शाती है और यह विचाराधीन उत्पाद के निष्पादन का विचार नहीं करता है।

छ. इस दावे के बारे में कि मांग और आपूर्ति में अंतर है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय मांग को पूरा करने के लिए भारतीय उत्पादकों में काफी क्षमता है।

छ.4 क्षति और कारक संबंध की जांच

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घेरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घेरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यप्रकर जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।"

छ.5 पाटित आयातों के वास्तविक एवं संभावित प्रभाव की जांच

66. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II, उसके प्रासंगिक भागों में यह प्रावधान है कि संबंधित घेरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घेरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालासूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।

67. उपरोक्त नियमावली के अनुसार ऊपर यथा निर्दिष्ट घेरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदंडों की निम्नानुसार जांच की गई है।

(क) पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

(i) संबद्ध देश की आयात की मात्रा और हिस्सा:

68. विभिन्न स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतों की जांच करने के बाद में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से सौदे-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है और विचाराधीन उत्पाद की पहचान करने के लिए उत्पाद विवरण के आधार पर अलग-अलग सौदों की जांच की गई है। डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त हुए सौदे-वार आंकड़ों को सार्वजनिक फाइल में रख दिया गया है। इस विश्लेषण के अनुसार क्षति अवधि के दौरान आयात की मात्रा निम्नानुसार है:

आयात मात्रा	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए	पीओआई*
चीन	मी. टन	506	681	1,258	1,004	1,255
अन्य देश	मी. टन	55	107	34	39	48
कुल आयात	मी. टन	561	788	1,292	1,043	1,304
की तुलना में संबद्ध आयात						
कुल आयात	%	90.15	86.43	97.34	96.29	96.29
मांग	%	14.39	15.63	23.28	20.04	20.04
उत्पादन	%	8.28	10.47	17.65	14.92	14.92

69. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन से आयातों में पूर्णतः और कुल आयात, उत्पादन और खपत के संदर्भ में बढ़ोत्तरी हुई है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान चीन से आयातों में लगभग 17% की गिरावट आई है और कुल मांग में बाजार का हिस्सा भी इसी अवधि के दौरान लगभग 3% तक कम हो गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश का पीओआई के दौरान कुल आयात लगभग 96% का है। यद्यपि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष 2014-15 की तुलना में पीओआई में आयातों में सीमांत गिरावट आई है, परंतु आधार वर्ष

2012-13 की अपेक्षा पीओआई में आयात काफी अधिक हैं। घेरलू उद्योग ने उनके इस तर्क का खंड किया है कि क्षति का विश्लेषण एक समय अवधि में किया है और न कि पूर्ववर्ती वर्ष/अवधि से तुलना करके किया है। घेरलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि वर्ष 2014-15 तक विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते हुए आयातों का मुकाबला करने के लिए घेरलू उद्योग के द्वारा लिए गए अत्यधिक मूल्य निर्धारण संबंधी निर्णयों के परिणामस्वरूप आयातों में यह कमी आई है।

70. आंकड़ों की जांच यह दर्शाती है कि क्षति अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में लगभग 200% की बढ़ोत्तरी हुई है और मांग में संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष 2012-13 की तुलना में 6% बढ़ गया है।

(ii) मांग और बाजार का हिस्सा

71. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घेरलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार, आकलन की गई मांग सारणी में दी है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग इस अवधि में बढ़ी है।

मांग	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए	पीओआई*
चीन से आयात	मी. टन	506	681	1,258	1,004	1,255
अन्य देशों से आयात	मी. टन	55	107	34	39	48
घेरलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
कुल मांग	मी. टन	3,518	4,354	5,404	5,012	6,265
प्रवृत्ति		100	124	154	142	142
मांग में बाजार हिस्सा						
चीन	%	14.39	15.63	23.28	20.04	20.04
अन्य देश	%	1.57	2.45	0.64	0.77	0.77
घेरलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***	***
भारतीय उत्पादक संपूर्ण	%	84.04	81.91	76.08	79.19	79.19

72. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष 2014-15 की तुलना में पीओआई में वार्षिक आधार पर मांग में कमी आई है, तथापि, आधार वर्ष 2012-13 की तुलना में इसमें काफी बढ़ोत्तरी हुई है। क्षति जांच अवधि के दौरान घेरलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष के मुकाबले 42% की बढ़ोत्तरी हुई है।

73. घेरलू उद्योग की बाजार मांग क्षति अवधि के दौरान 35.5% से गिरकर 24% हो गया है, जबकि संबद्ध देश का बाजार हिस्सा क्षति अवधि में 14% से बढ़कर 20% हो गया है। संबद्ध देश के बाजार हिस्से में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। यह घेरलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति को स्पष्ट रूप सुनिश्चित करता है।

(ख) घेरलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

74. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती। तद्वारा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की वजह से घेरलू उद्योग की कीमतों के प्रभाव के बारे में कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत में नियंत्रण और कीमत पर दबाव के संदर्भ में जांच की गई है।

(ि) घेरलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

75. यह देखने के लिए कि क्या आयातों की वजह से घेरलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती की जा रही है, घेरलू उद्योग के द्वारा बेची गई संबद्ध वस्तुओं की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ सम्पूर्ण जांच अवधि में संबद्ध देश से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य से तुलना करके कीमत कटौती के बारे में निर्धारण किया गया है।

76. इस संबंध में उत्पाद के पहुँच मूल्य और घेरलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों के निवल रूप से तुलना की गई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में की गई कटौती निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई*
अवतरित कीमत	रु./किग्रा.	1,531	1,769	1,823	1,745
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	0-10	0-10	0-10	0-10

77. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि 10% तक घरेलू कीमतों में गिरावट तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में आयात कीमतों में हुई गिरावट से काफी अधिक है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का तर्क यह है कि घरेलू उद्योग को आयात कीमतों के प्रति प्रतिक्रिया दिखानी है अथवा इसकी बिक्री समाप्त हो जाएगी। वास्तविक संदर्भ में पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम है और घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है।

(ii) पाटित आयातों का कम कीमत पर बिक्री प्रभाव

78. पाटित आयातों के कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव की जांच करने के लिए आयातों के पहुँच मूल्य की निर्धारित क्षतिरहित मूल्य से तुलना की गई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सस्ते मूल्य पर बेचना क्षति का आकलन करने का एक महत्वपूर्ण सूचक है। सस्ती कीमत पर बिक्री की स्थिति के बारे में क्षतिरहित मूल्य निकाला गया है और इसकी संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य से तुलना की गई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए क्षतिरहित मूल्य का निर्धारण किया गया है। विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के क्षतिरहित मूल्य से कम था, जो नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकता है:

विवरण	रु./किग्रा.
क्षतिरहित कीमत	*****
अवतरित मूल्य	1,745
क्षति मार्जिन	***
क्षति मार्जिन %	***
क्षति मार्जिन (रेंज)	10-15%

(iii) पाटित आयातों का कीमत नियंत्रण, दबाव प्रभाव

79. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या पाटित आयातों का प्रभाव भारत में समान वस्तु की कीमतों को नियंत्रित करने अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना था, जो अन्यथा हुआ होगा।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई*
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	108	116	113
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	114	120	109
अवतरित कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	116	119	114

80. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि बिक्री की लागत और विक्रय मूल्य दोनों में 2014-15 तक काफी बढ़ोत्तरी हुई है और फिर पीओआई के दौरान गिरावट आई तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विक्रय मूल्य में गिरावट लागत में गिरावट से अधिक है। विक्रय मूल्य में गिरावट आयातों के पहुँच मूल्य में गिरावट के कारण हुई है। अतः संबद्ध देश से हुए आयातों से कीमतों पर प्रभाव पड़ा था।

(ग) अन्य क्षति कारकों की जांच

(i) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

81. नीचे दी गई सारणी क्षति जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन क्षमता और बिक्री को दर्शाती है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए	पीओआई*
क्षमता	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	101	101	101	101
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	110	94	88	88
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***
घेरलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	124	103	93	93
मांग	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	120	148	139	139

82. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घेरलू उद्योग ने वर्ष 2013-14 के दौरान अपनी क्षमता में सीमांत रूप से बढ़ोत्तरी की थी। यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में क्षमता में केवल 1% की बढ़ोत्तरी हुई है, परंतु उत्पादन में लगभग 12% की गिरावट आई है, और घेरलू बिक्री में लगभग 7% की गिरावट आई है। क्षमता उपयोग में 2013-14 में बढ़ोत्तरी हुई, और फिर 2014-15 और पीओआई के दौरान कमी हुई। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घेरलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में गिरावट केवल मांग में कमी और परस्पर प्रतिस्पर्द्ध है और न कि कथित पारित आयात।

83. याचिकाकर्ता ने उनके निवेदनों का खंडन किया है कि समग्र आधार पर क्षति अवधि में मांग में वृद्धि हुई है जबकि घेरलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में गिरावट आई है। साथ ही, भारतीय बाजार में पारित आयातों की काफी मात्रा में वृद्धि हुई है और पारित कीमतें काफी बढ़ी हैं। परिणामतः घेरलू उद्योग का उत्पादन और घेरलू बिक्रियां प्रभावित हुई थीं।

(ii) लाभ/हानि, नकद प्रवाह, नियोजित पूँजी पर आय पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

84. लाभप्रदता के मापदंडों के संबंध में घेरलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए	पीओआई*
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	108	116	113	113
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	114	120	109	109
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	320	231	-10	-10
लाभ/हानि	रु. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	398	238	-9	-9
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	358	221	10	10
ब्याज और कर पूर्व लाभ	रु. लाख	1,528	3,586	1,919	225	281
प्रवृत्ति		100	235	126	15	15
नियोजित पूँजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	162	92	13	13

85. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि लाभ, नकद लाभ और निवेश पर लाभ में 2013-14 तक वृद्धि हुई और फिर 2014-15 में आयातों में वृद्धि होने से गिरावट आई। गिरावट इतनी ज्यादा थी कि घेरलू उद्योग में पीओआई के दौरान विरोधी हानियां हुई हैं।

86. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे के संबंध में घेरलू उद्योग एवं घेरलू विक्रय मूल्य के प्रति यूनिट बिक्री लागत की प्रवृत्ति में सामान्य तौर पर वृद्धि हुई है, यह नोट किया है कि लागत और विक्रय मूल्य में 2014-15 तक बढ़ोत्तरी हुई है और फिर पीओआई के दौरान गिरावट हुई। यह भी नोट किया है कि विक्रय मूल्य में गिरावट लागत में गिरावट से अधिक हुई थी, परिणामतः पीओआई में घेरलू उद्योग को हानियां हुईं।

87. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि जब वर्ष 2014-15 में आयात अधिकतम थे, कंपनी का लाभ बढ़ा तथा जब पीओआई में आयात में 17% तक गिरावट आई तो एपीएल को हानियां हुईं। जो यह दर्शाता है कि आयातों और आवेदक उत्पादक के लाभ/हानियों के बीच कोई संबंध नहीं

है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में पाटित आयातों की मात्रा में कमी आई थी, तथापि, उसी अवधि में पाटित आयातों की कीमतों में धीर-धीर गिरावट हुई है। यह नोट किया है कि घेरलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में कमी न हो, इसलिए इसने अपने उत्पादों के मूल्यों को उत्पादन/बिक्री की लागत से कम कर दिया था। इसका पीओआई के दौरान घेरलू उद्योग की लाभप्रदता का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

88. घेरलू उद्योग ने यह निवेदन भी किया था कि न केवल विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री को बनाए रखने के लिए लाभ अपेक्षित होता है, अपितु संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रहे उद्योग के भावी विकास हेतु भी आवश्यकता होती है। हानियों की स्थिति में, न केवल विचाराधीन उत्पाद में बल्कि अन्यथा भी घेरलू उद्योग की दीर्घकालिक व्यवहार्यता बनाए रखने के लिए कठिनाई होगी।

(iii) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता पर वास्तविक और संभव प्रभाव

89. रोजगार और मजदूरी से संबंधित नीचे दिए आंकड़े वर्ष 2014-15 तक रोजगार में हुई बढ़ोत्तरी को दर्शाते हैं और फिर पीओआई में गिरावट को दर्शाते हैं। क्षति की अवधि के दौरान मजदूरियों में बढ़ोत्तरी हुई। मजदूरी और रोजगार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे का जहां तक संबंध है, यह नोट किया है कि घेरलू उद्योग ने उद्योग से संबंधित सूक्ष्म अर्थिक कारणों की वजह से किसी प्रकार की क्षति का दावा नहीं किया है। इसलिए, रोजगार और मजदूरी से संबंधित सूचना विचाराधीन उत्पाद के बारे में उद्योग की स्थिति की सही स्पष्ट तस्वीर नहीं दे सकती है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रतिदिन के उत्पादन के आधार पर उत्पादकता तथा कर्मचारी की संख्या में 2013-14 तक वृद्धि हुई और फिर उत्पादन के स्तर के अनुरूप गिरावट आई।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए	पीओआई*
रोजगार	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	106	113	107	107
मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	114	125	141	141
प्रति दिन उत्पादकता	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	110	94	88	88
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	103	83	82	82

(iv) मालसूचियों पर वास्तविक और संभव प्रभाव

90. संबद्ध देशों की माल सूची से संबंधित सूचना नीचे तालिका में दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आरंभिक मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी. टन	16	24	50	75
प्रवृत्ति		100	154	318	473

91. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे का संबंध है कि यह केवल अंतिम मालसूची है जो क्षति को दर्शाएगी अपितु औसत माल सूची अथवा प्रारंभिक माल सूची नहीं है, इस बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घेरलू उद्योग की धारण माल सूची क्षति अवधि के दौरान प्रभावित हुई है।

(v) नए निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

92. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन क्षमता समर्पित नहीं है। घेरलू उद्योग एक ही संयंत्र में कई उत्पादों का उत्पादन करता है और इसलिए संयंत्र के लिए नए निवेश जुटाने के लिए घेरलू उद्योग की क्षमता केवल विचाराधीन उत्पाद के निष्पादन से प्रभावित नहीं हो सकती है। तथापि, पीओआई में विचाराधीन उत्पाद की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट होने से विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन को जारी रखने के लिए घेरलू उद्योग के हित पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

(vi) विकास पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

93. घरेलू उद्योग के निष्पादन का समग्र विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने बिक्रियों, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, रोजगार, सामान सूची, लाभ और निवेश पर लाभ के संदर्भ में नकारात्मक विकास का सामना किया है। पीओआई के दौरान इन मानदंडों पर विचार करते हुए इन मानदंडों पर पाठित आयातों का संभावित प्रभाव काफी नकारात्मक हो सकता था।

(vii) पाटन और पाटन मार्जिन की मात्रा

94. संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाठित आयातों के पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा स्तर काफी अधिक है।

(viii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

95. पाठित आयातों की मात्रा तथा संबद्ध देश से पाठित आयातों के मूल्यों तथा घरेलू मूल्यों की प्रवृत्ति की जांच यह दर्शाती है कि घरेलू बाजार में मांग में गिरावट तथा संबद्ध देश से पाठित आयातों की पर्याप्त मात्रा के होने से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं।

(ग) क्षति संबंधी निष्कर्ष

96. घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत का निर्धारण, क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए इन आयातों की अलग-अलग पहुँच मूल्य से उचित तुलना करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार किया गया है। निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	उत्पादन	नियांतक	एनआईपी अमेरिकी डॉलर/किग्रा.	पहुँच मूल्य अमेरिकी डॉलर/किग्रा.	क्षति मार्जिन अमेरिकी डॉलर/किग्रा.	क्षति मार्जिन %
1	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमिसिनेटेक कं.लि . (सेमिसिनेटेक)	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं.लि. (एनसीपीसी)	***	***	***	10%-20%
2	इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं.लि . (चांगशेंग)	इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं.लि . (चांगशेंग)	***	***	***	10%-20%
3	झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं.लि . यूनाइटेड लैब्रोटरीज(इनर मंगोलिया कं.लि).	झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं.लि . यूनाइटेड लैब्रोटरीज(इनर मंगोलिया कं.लि). झुहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज ट्रेडिंग कं . टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी	***	***	***	10-20%
4	अन्य सभी		***	***	***	20%-30%

97. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से पाठित आयातों का क्षति मार्जिन सकारात्मक और अधिक है।

ज. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

98. पाठित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाठित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करने के लिए नियमावली में प्राधिकारी को अधिदेश होता है। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। अनिवार्य गैर-उत्तरदायी कारकों के साथ-साथ प्राधिकारी की जानकारी में लाए गए निम्नलिखित मुद्दों की यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाठित आयातों से कारकों से, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदृसार, निम्नलिखित मानदंडों की जांच की गई है:

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

99. जांच किए गए आयात संबंधी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात न्यूनतम सीमा से कम हैं अथवा काफी ऊची कीमतों पर हैं। इसलिए अन्य स्रोतों से हुए आयातों से घेरलू उद्योग प्रभावित नहीं हो रहा है।

(ii) मांग में संकुचन और/अथवा खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

100. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष से घेरलू बाजार में उत्पाद मांग में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष 2014-15 की तुलना में पीओआई के दौरान मांग में हल्की-सी गिरावट हुई। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि क्या घेरलू उद्योग का निष्पादन मांग में कमी होने से प्रभावित हुआ और न कि कथित पाटित आयातों से तथापि, घेरलू उद्योग ने यह दावा किया है कि पूर्ववर्ती वर्ष 2014-15 तुलना में पीओआई के दौरान मांग में यद्यपि गिरावट आई है, परंतु क्षति अवधि के दौरान मांग में समग्र बढ़ोत्तरी हुई है।

101. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्ष 2014-15 की तुलना में पीओआई के दौरान घेरलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में 5% की गिरावट आई है, जबकि इस अवधि में घेरलू उद्योग की बिक्रियां बढ़ी हैं। इसके अलावा, संबद्ध देश से पाटित आयातों से गिरावट वाले बाजार में भारत में मांग का लगभग 20% मांग पूरी होती है और इससे उनकी मात्रा एवं कीमत प्रभाव के जरिए घेरलू उद्योग की स्थिति खराब हो गई है।

(iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी एवं घेरलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा

102. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के बहुत उत्पादक हैं। किसी घेरलू कंपनी के द्वारा अनुचित प्रतिस्पर्द्धा अथवा अपनाई गई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार के द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है। जांच अवधि के दौरान आयातित वस्तुओं की मात्रा और मूल्य यह दर्शाते हैं कि भारतीय बाजार में वस्तुएं बिना किसी प्रतिबंध के आ रही हैं। भारतीय बाजार में विदेशी उत्पादक और घेरलू उद्योग प्रतिस्पर्द्धा कर रहे हैं। अतः जांच में यह नहीं दर्शाया गया है कि प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियां और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं घेरलू उद्योग के लिए कथित क्षति के लिए उत्तरदायी हैं।

(iv) प्रौद्योगिकी में विकास

103. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह दर्शाने के लिए कोई सूचना नहीं दी है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और बिक्री को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकी से घेरलू उद्योग के द्वारा कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया है। की गई जांच प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन अथवा फार्मास्युटिकल उद्योग में वरीयता में परिवर्तन को नहीं दर्शाती है जो इस क्षेत्र को प्रभावित कर सके।

(v) घेरलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

104. घेरलू उद्योग की निर्यात मात्रा में 2014-15 में गिरावट हुई है और पीओआई के दौरान इसी स्तर पर रही। फिर भी, निर्यात बिक्री काफी लाभप्रद पाई गई है। तथापि, पहले भाग में किया गया क्षति विश्लेषण उसकी घेरलू बिक्री के संबंध में घेरलू उद्योग के निष्पादन के आधार पर है। घेरलू उद्योग की क्षति का आकलन करने के लिए प्राधिकारी के द्वारा घेरलू और निर्यात बाजारों में मूल्यों तथा लाभप्रदता को अलग-अलग किया गया है।

(vi) घेरलू उद्योग की उत्पादकता

105. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घेरलू उद्योग का निष्पादन उत्पादकता में गिरावट आने से प्रभावित हुआ है और कथित पाटित आयातों से प्रभावित नहीं हुआ है। तथापि, घेरलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि 2014-15 में ही उत्पादकता में अधिक गिरावट हुई थी जब आयात की मात्रा अधिकतम थी।

106. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घेरलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति जांच अवधि के दौरान पाटन की वजह से उत्पादन में कमी और मांग में कमी की वजह कमी आई है और न कि अन्य कारकों की वजह से कमी आई है। इसलिए उत्पादकता में कमी को घेरलू उद्योग के लिए क्षति करने वाले कारक के रूप में माना नहीं जा सकता है।

झ. कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक

107. क्षति अवधि के दौरान घेरलू उद्योग के कार्य निष्पादन के विश्लेषण से पता चलता है कि घेरलू उद्योग के कार्य निष्पादन में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हानि आई है। पाटित आयातों और घेरलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध होता है:

- क) आयात घेरलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है।
- ख) कीमत कटौती के कारण आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- ग) देश में पाटित आयातों की मौजूदगी लागत में वृद्धि के बावजूद घेरलू उद्योग की कीमतों पर बदाव डाल रही है।

- घ) संबद्ध आयात घेरलू उद्योग द्वारा उत्पाद की कम कीमत पर बिक्री करवा रहे हैं।
- ड) लाभ, नियोजित पंजी पर आय और नकद लाभ में कमी पाटित आयातों का प्रत्यक्ष प्रभाव रहा है।
- च) भारी कीमत कटौती के परिणामस्वरूप घेरलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में मांग में हुई वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है।
- छ) कीमत और मात्रा से संबंधित अनेक आर्थिक मापदंडों के अनुसार घेरलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक हो गई है।
- ज) प्राधिकारी का यह मत है कि घेरलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. क्षति संबंधी निष्कर्ष और आकस्मिक कारक

108. उपर्युक्त विवरण दर्शाता है कि घेरलू उद्योग की कार्यक्षमता उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से में गिरावट लाभ एवं निवेश पर आय में गिरावट के कारण क्षति की जांच की अवधि के दौरान और कम हो गयी है। संबद्ध देश से आयात की गई संबद्ध वस्तुओं में घेरलू उद्योग की कीमतों में कटौती की है तथा घेरलू उद्योग की बिक्री की कीमतों पर बहुत अधिक कम मूल्य पर बिक्री का प्रभाव भी पड़ा है। घेरलू उद्योग को हुई क्षति बहुत अधिक और वास्तविक है।

109. जैसा कि पहले नोट किया गया है, वार्षिक कीमतों पर संबद्ध देश से आयातों की बहुत अधिक मात्रा से कीमत में मंदी आई है जिसके फलस्वरूप जांच की अवधि में घेरलू उद्योगको घाटा हुआ है और इससे घेरलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ट. घेरलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

110. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों अर्थात् घेरलू उद्योग, इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज एंड एसोसिएट्स तथा आर्थिक एवं वाणिज्यिक परामर्शदाता का कार्यालय, चीन जन गणराज्य का दूतावास द्वारा प्रकटन विवरण के उत्तर में निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं:

ठ.1 निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

111. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. यह कि पूर्व में इस पक्षकार द्वारा किए गए अनुरोधों पर या तो विचार नहीं किया गया है अथवा उस पर विचार किया गया है, परंतु उसकी जांच अथवा उसका समाधान प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण में नहीं दिया गया है।
- ख. कि घेरलू उद्योग द्वारा एक्सल फाइल में आयात आंकड़ों, यद्यपि प्रकटन विवरण में शामिल नहीं किया गया है, के प्रकटन के संबंध में इस पक्षकार के अनुरोध की जांच नहीं की गई है।
- ग. इस पहुँच मूल्य के आधार पर कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है और इस निर्यातक द्वारा कोई क्षति उत्पन्न नहीं की गई है।
- घ. जांच की अवधि में आयातों में 17 प्रतिशत की गिरावट को मापूली नहीं माना जा सकता है, यह अधिक है।
- ड. भारतीय प्राधिकारी ने गलत विवरण के आधार पर झुहाई यूएल के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना नहीं करने का निर्णय लिया है कि "झोंगशन शाखा" विचाराधीन उत्पाद का एक उत्पादके रूप में मौजूद है।
- च. झोंगशन शाखा झुहाई यूएल की एक संबद्ध कंपनी नहीं है, यह झुहाई यूएल का मात्र शाखा संगठन है। "झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज" झोंगशन (कंपनी लि) झोंगशन शाखा ("नामक कोई कंपनी नहीं है।
- छ. "झोंगशन शाखा" एक स्वतंत्र कंपनी नहीं है, यह झुहाई यूएल का एक संबंध है। झोंगशन शाखा के क्रियाकलापों को झुहाई यूएल की पैंट कंपनी के वित्तीय विवरण में शामिल किया गया है और न कि झुहाई यूएल की समेकित वित्तीय विवरण में इसकी सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया है।
- ज. झोंगशन शाखा विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं करता है, यह केवल घेरलू फॉर्मूलेशन का उत्पादन करता है।
- झ. झुहाई यूएल ने प्रश्नावली के उत्तर में तथा सत्यापन में झोंगशन शाखा की सूचना को पूर्ण रूप से प्रकट किया और उसे प्राधिकारी के समक्ष रखा क्योंकि झुहाई यूएल के संयंत्रों में से एक संयंत्र, जो तैयार उत्पाद का उत्पादन करता है और न कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज, इंडिया (लिमिटेड एक निष्क्रिय कंपनी है और यह विचाराधीन उत्पाद का कारोबार नहीं करता है और तदुसार इसमें प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। वर्ष 2015 के लिए वार्षिक रिपोर्ट में, इसका विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि झुहाई यूनाइटेड लैबोरेट्रीज इंडिया (लिमिटेड यूनाइटेड लैबोरेट्रीज होलिडंग लिमिटेड की एक 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है और यह 2014-15 के दौरान निष्क्रिय है।
- ज. सत्यापन अधिकारी झुहाई यूएल की संबद्ध कंपनियों के व्यापार क्षेत्र के संबंध में प्रश्नों के बारे में स्पष्टीकरण से संतुष्ट हैं, जैसा कि सत्यापन रिपोर्ट से स्पष्ट है। भारतीय प्राधिकारी द्वारा आगे कोई प्रश्न नहीं पूछा गया था।
- ट. यदि प्राधिकारी को किसी प्रकार की आशंका थी, तो निर्यातक को आगे स्पष्टीकरण देने के लिए अवसर दिया जाना चाहिए था।

ठ.2 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

112. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोध में निम्नलिखित अनुरोध किया है:

क. प्राधिकारी से अनुरोध किया गया है कि वह उचित कार्यान्वयन के उद्देश्य से बाहर किए गए वस्तुओं पर विस्तृत स्पष्टता दे।

ख. सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतिक है। शुल्क तालिका की विषय-वस्तु मात्र ही संगत है। प्राधिकारी को इस शुल्क तालिका में उल्लेख करना चाहिए कि विचाराधीन उत्पाद पर सीमा शुल्क के वर्गीकरण, जिसके अंतर्गत वस्तुओं का आयात किया जा रहा है, पर विचार किए बिना शुल्क लगता है।

ग. चीन के किसी नियर्यातक द्वारा किसी एमईटी दावे को सिद्ध नहीं किया गया है।

घ. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन बहुत अधिक सकारात्मक है।

ड. चीन से आयातों में स्वतंत्र रूप से तथा कुल आयात, उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।

च. तत्काल पूर्व वर्ष 2014 - 15 की तुलना में जांच की अवधि में आयातों में आंशिक गिरावट आई है। हालांकि, जांच की अवधि में आयात आधार वर्ष 2012 - 13 की तुलना में बहुत अधिक था और ऐसा घरेलू उद्योग द्वारा लिए गए आक्रामक कीमत निर्धारण संबंधी निर्णयों के फलस्वरूप हुआ।

छ. इसके फलस्वरूप, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में आयात के पहुँच मूल्य में गिरावट के प्रतिक्रिया स्वरूप जांच की अवधि में बहुत तेजी से गिरावट आई है। संबद्ध देश से आयातों के कारण जांच की अवधि में कीमत में मंदी आई थी।

ज. सम्पूर्ण जांच की अवधि में कीमत में कटौती सकारात्मक और बहुत अधिक है। हालांकि, यह जांच की अवधि में अपेक्षाकृत कम है क्योंकि घरेलू उद्योग ने आयात की कीमतों का मुकाबला करने के लिए आक्रामक कीमत निर्धारण अपनाया। वास्तविक रूप में पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा घरेलू कीमतों की कटौती से कम है।

झ. घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन में उत्पादन, बिक्री की मात्रा, क्षमता का उपयोग, बाजार हिस्सा, माल भंडार, क्षमता का उपयोग, लाभ और निवेश पर आय के संबंध में क्षति अवधि में गिरावट आई है। घाटे की स्थिति में, यह कठिन होगा कि घरेलू उद्योग की दीर्घावधि अर्थक्षमता को बनाया रखा जा सके।

ञ. घरेलू उद्योग का विकास अनेक मानदंडों के मामले में प्रतिकूल है। घरेलू उद्योग का संभावित विकास इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क तत्काल नहीं लगाए जाने की स्थिति में गंभीर रूप से नकारात्मक होगा।

ट. पाटनरोधी शुल्क 5 वर्षों की अवधि के लिए लगाया जाना अपेक्षित है।

ठ. उपायों का रूप अमेरिकी डॉलर में व्यक्त निर्धारित मात्रा के रूप में रखा जाना अपेक्षित है।

ठ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

113. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात की गई टिप्पियाँ/अनुरोध अधिकांशतः पूर्व में किए गए अनुरोधों की पुनरावृत्ति है जिस पर उपयुक्त तथा समुचित रूप से पहले ही विचार कर लिया गया है और उसका उचित रूप से समाधान वर्तमान जांच परिणाम के संगत पैराओं अथवा प्रकटन विवरण में किया गया है और इस कारण से संक्षिप्तता के उद्देश्य से इसे यहां दोहराया नहीं गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी इसमें नीचे दिए गए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों का समाधान करना उपयुक्त समझते हैं:

क. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस जांच के दौरान किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा जहां भी संगत पाया गया, इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।

ख. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच, गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक समझा, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है तथा इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है।

ग. जहां तक कीमत में किसी प्रकार की कटौती अथवा क्षति नहीं होने के तर्क का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यहां ऊपर में किया गया क्षति विश्लेषण इस बात को सिद्ध करने के लिए अपने आप में स्पष्ट है कि पाटन से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

घ. झुहाई यूएल के लिए पृथक पाटन मार्जिन का परिकलन करने तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ‘‘झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कंपनी लिमिटेड’’)झोंगशन (कंपनी लिमिटेड के ‘‘झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कंपनी लिमिटेड, चीन के एक भाग/शाखा/मंडल होने के संबंध में सत्यापन करने के दौरे के दौरान कोई साहायक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त झुहाई यूनाइटेड लैबोरट्रीज कंपनी लिमिटेड)‘‘झोंगशन शाखा’’ (के व्यापार संबंधी क्रियाकलाप को स्पष्ट करने का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था। तथापि, प्रकटन पश्चात टिप्पणियों में फर्म उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी साक्ष्यों की जांच की गई है। अपने विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन के लिए अपने प्रकटन पश्चात दावों और अर्थिक तथा वाणिज्यिक परामर्शदाता कार्यालय, चीन जनवादी गणराज्य दूतावास द्वारा किए गए दावे के समर्थन में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य की जांच करने पर प्राधिकारी अब युहाई ग्रुप के प्रतिवादी उत्पादकों-निर्यातकों को विशिष्ट पृथक मार्जिन स्वीकार करने पर विचार करते हैं।

ঙ. शुल्क के रूप के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, मिर्दिष्ट प्राधिकारी का आधिकार कथित पाटन के मौजूद होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करना है और पाटनरोधी शुल्क जो, यदि लगाया जाए, घरेलू

उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए उपयुक्त होगा, की मात्रा की सिफारिश करना है। तदुसारा, पाटनरोधी उपायों के रूप के बारे में निर्णय प्राधिकारी द्वारा किसी विशिष्ट मामले के तथ्यों और स्थितियों पर विचार करने के बाद किया जाता है। वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने इस मामले के तथ्यों और स्थितियों को ध्यान में रखकर अमेरिकी डॉलर में शुल्क के निर्धारित रूप की सिफारिश की है।

ठ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घेरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धात्मक स्थिति स्थापित हो सके जो इस देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लगाने से संबद्ध देश से किसी भी प्रकार से आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा और इस कारण से उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

115. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करने वाली निर्मित उत्पाद की कीमतों के स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इसका कुछ प्रभाव इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्द्धात्मकता पर पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। विशेष रूप से, यदि पाटनरोधी शुल्क का आरोपण उस राशि तक सीमित हो जो घेरेलू उद्योग को क्षति से बचाने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लगाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ दूर हो जाएगा, घेरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट रुक जाएगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

ड. निष्कर्ष

116. प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों तथा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं किए गए अनुरोध, जिसे इस जांच परिणाम में दर्ज किया गया है, पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर आ रहा है और घेरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन क्षति की अवधि में संबद्ध देश से पाटित आयातों के प्रभाव के कारण और अधिक खराब हो गया है। घेरेलू उद्योग को हुई क्षति बहुत अधिक है और वह वास्तविक है।

३. सिफारिशें

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना एवं सत्यापन योग्य साक्ष्य देने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, जांच करने के बाद तथा यह सिद्ध करने के बाद कि संबद्ध देश से ये वस्तुएं भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर आ रही हैं और घेरेलू उद्योग को मात्रा एवं कीमत के प्रभावों के माध्यम से क्षति हो रही है, प्राधिकारी इसे आवश्यक और उपयुक्त समझते हैं कि वे नीचे दिए गए निर्धारित रूप और तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं को आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करें।

118. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी जांच की अधीन अवधि के लिए इस निष्कर्ष में इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के समान पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घेरेलू उद्योग को पाटित आयातों के क्षतिकर प्रभावों को दूर किया जा सके। तदुसारा, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 9 में यथा दर्शाई गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों परकेंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच वर्षों की अवधि के लिए लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	मापन की इकाई	करेंसी
1	29411030**	एमोक्सिलीन	चीन जन गण	चीन जन गण	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल ग्रुप सेमिसिनेटेक कं.लि. (सेमिसिनेटेक (नॉर्थ चाइना फार्मास्युटिकल कं.लि. (एनसीपीसी)	4.03	किग्रा.	अमेरिकी डॉलर
2	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं.लि) .चांगशेंग (इनर मंगोलिया चांगशेंग फार्मास्युटिकल कं.लि) .चांगशेंग (3.00	किग्रा.	अमेरिकी डॉलर

3	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	द्वाहाई यूनाइटेड लैब्रोटरीज कं.लि.	-चुहाई यूनाइटेडलैबोरेट्रीजकं.	2.83	किंग्रा.	अमेरिकी डॉलर
					-यूनाइटेड लैबोरेट्रीज ट्रेडिंग कं.				
					यूनाइटेड लैब्रोटरीज इनर मंगोलिया	- टीम क्राउन ट्रेडिंग कंपनी			
4	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	क्रम संख्या। से 3 को छोड़कर कोई अन्य संयोजन		8.71	किंग्रा.	अमेरिकी डॉलर
5	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन को छोड़कर अन्य कोई देश	कोई	कोई	8.71	किंग्रा.	अमेरिकी डॉलर
6	-वही-	-वही-	चीन जन गण को छोड़कर अन्य कोई देश	चीन जन गण	कोई	कोई	8.71	किंग्रा.	अमेरिकी डॉलर

टिप्पणी: ** उपर्युक्त वर्गीकरण सांकेतिक मात्रा हैं और यह पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के उद्देश्य से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

*** निम्नलिखित प्रकार के उत्पादों को पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के उद्देश्य से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाता है:

- (i) एमोविसलीन सोडियम स्टराइल एंड फ्लूक्लोक्सालिन सोडियम स्टराइल,
- (ii) एमोविसलीन ट्राइहाइड्रेट कम्पेक्टेड एम्पीसिलिन ट्राइहाइड्रेट कम्पेक्टेड
- (iii) एमोविसलीन ट्राइहाइड्रेट एंड क्लेवुलेनेट पौटेशियम

119. इस अधिसूचना के उद्देश्य से आयातों का पहुँच मूल्य वह आकलन योग्य मूल्य होगा जिसका निर्धारण सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा किया जाएगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9 के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल हैं।

120. इस जांच परिणाम के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार की जाएगी।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 3rd April , 2017
Final Finding

Subject: Anti-Dumping Investigation concerning import of 'Amoxycillin' originating in or exported from China PR.

F.NO. 14/05/2015-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof,

1. WHEREAS M/s Aurobindo Pharma Limited (herein after referred to as the applicant/domestic industry) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of Amoxycillin (hereinafter referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (herein after also referred to as subject country) and requested for initiation of an investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.
2. As part of the preliminary scrutiny, the department had written a letter to the Department of Pharmaceuticals and asked for the list of producers of the subject goods in India along with the data of production, production capacity and imports of the subject goods from the subject country, if any for the period 2011-12 to 2014-15.
3. AND WHEREAS, the Authority, on the basis of sufficient *prima facie* evidence of dumping, injury and causal link submitted by the applicant, issued a public notice dated 27th April, 2016, in accordance with Rule 6(1) of the Rules, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.
 - i. In terms of sub-Rule 5 of Rule 5, the Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the application from the domestic industry requesting for initiation of antidumping investigation.
 - ii. The Embassy of the subject country in New Delhi was also informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - iii. The Designated Authority sent copy of initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers in India and other interested parties, as per the information available with it, as well as the domestic industry. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing

within prescribed time limit. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter, were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

- iv. Copy of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- v. Exporters' Questionnaires were sent to the following known exporters from the subject country in accordance with the Rule 6(4) to elicit relevant information.
 - a. M/s North China Pharmaceutical Co. Ltd.
 - b. M/s CSPC Inner Mongolia Changsheng Pharma Co.
 - c. M/s Zhejiang Medicines & Health Product I&E Co.
 - d. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd.
 - e. M/s Team Crown Trading Limited
- vi. The following producers/exporters, exporting the subject goods originating in or exported from the subject country, have filed questionnaire responses:
 - a. M/s North China Pharmaceutical Co. Ltd.
 - b. M/s North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd.
 - c. M/s Zhuhai United Laboratories Trading Co. Ltd.
 - d. The United Laboratories (Inner Mongolia) Co. Ltd.
 - e. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd.
 - f. M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd.
 - g. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd.
 - h. M/s Team Crown Trading Limited
- vii. Apart from the above responses the following interested parties also filed submissions:
 - a. China Chamber of Commerce for Import & Export of Medicines & Health Products
 - b. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd. and its Affiliates
 - c. Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. and its Affiliates
 - d. North China Pharmaceuticals Group Semisyntech Co. Ltd. and its Affiliates
- viii. Questionnaires were sent to the following known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information, in prescribed formats, in accordance with Rule 6(4):
 - a. M/s Ajanta Pharma
 - b. M/s Maxheal Pharmaceuticals (India) Ltd.
 - c. M/s Laborate Pharmaceutical India Limited
 - d. M/s Kopran Limited
 - e. M/s Medi Pharma Drug House
 - f. M/s Alkem Laboratories Ltd.
 - g. M/s Medicef Pharma
 - h. M/s Toton Pharmaceuticals
 - i. M/s Flamingo
 - j. M/s Ranbaxy Laboratories Ltd.

- k. M/s Alkem
- l. M/s Mankind Pharma
- m. M/s Laborate
- n. M/s Cipla
- o. M/s Abbott India
- p. M/s Mcleods
- q. M/s Medreich

- ix. None of the importers/users of the subject goods have filed the importer questionnaire responses.
- x. Letters were sent to other known producers of the subject goods, inviting them to participate in the investigation. Response has been received from the following Indian producers of the subject goods in India confirming their support to the investigations:
 - a. M/s DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd.
 - b. M/s Gujarat Dyestuff Industries
 - c. M/s G. G. Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
 - d. M/s Penam Laboratories Ltd.
 - e. M/s Dalas Biotech
 - f. M/s Parabolic Drugs
 - g. M/s Asiatic Drugs and Pharmaceuticals
- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports after due examination of the transactions and discarding the data relating to unrelated products; The Authority has also procured data from DG (Systems) to complement DGCI&S data;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India, based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP), was worked out so as to ascertain whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The Non-injurious price (NIP) has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules;
- xiv. The Authority held an oral hearing on 4th August, 2016 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry, exporters from China PR and importers. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
- xv. Due to change in the incumbency of the Designated Authority and in line with the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the ATMA case, another oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 12th January, 2017. The parties, who presented their views in the 2nd oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by

rejoinder submissions.

- xvi. On the spot verification of the data of the domestic industry, as well as that of the cooperating exporters, was carried out to the extent considered necessary.
- xvii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this finding.
- xviii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xx. *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the present investigation to all interested parties vide a disclosure statement issued on 16th February, 2017. The domestic industry and the other interested parties filed their comments on the disclosure statement. The comments of the interested parties have been addressed in this finding to the extent considered relevant.
- xxii. Investigation was carried out for the period of investigation starting from 1st October 2014 to 31st December 2015 (15 months). However, the injury investigation covers the period 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the POI.
- xxiii. The Authority has taken weighted average exchange rate for the POI (October 2014 to December 2015) as Rs 64.17/US\$.

B. Product under Consideration and Like Article

- 5. The product under consideration notified in the initiation notification is “Amoxicillin”. The product under consideration is also known as Amoxicillin Trihydrate.

B.1 Views of the Domestic industry

- 6. The domestic industry has made following submissions with regard to the product under consideration:
 - i. The product under consideration is Amoxicillin or Amoxicillin Trihydrate. Amoxicillin Trihydrate is a semi synthetic antibiotic, an analog of ampicillin, with a broad spectrum of bactericidal activity against many Gram-positive and Gram-negative microorganisms. Chemically, it is (2S, 5R, 6R)-6-[(R)-(-)-2-amino-2-(p-hydroxyphenyl) acetamido]-3,3-dimethyl-7-oxo-4- thia-1-azabicyclo [3.2.0] heptane-2-carboxylic acid trihydrate.

- ii. Amoxicillin is a white or almost white, crystalline powder, slightly soluble in water, very slightly soluble in ethanol (96%) and practically insoluble in fatty oils. It dissolves in dilute acids and dilute solutions of alkali hydroxides.
- iii. Amoxicillin is used to reduce the development of drug-resistant bacteria.
- iv. It is clarified that the following products do not form part of the product under consideration –
 - a. Amoxycillin Sodium Sterile and Flucloxacillin Sodium Sterile,
 - b. Amoxicillin Trihydrate Compacted Ampicillin Trihydrate Compacted
 - c. Amoxicillin Trihydrate and Clavulanate Potassium.

B.2 Submissions by exporters, importers and other interested parties

- 7. Opposing interested parties have raised the following issues with regard to the scope of product under consideration:
 - i. Import data relied upon by the applicant shows that the applicant has considered “Amoxicillin Sodium” and “Amoxicillin Sodium with Clavulanate Potassium” also in the scope of PUC.
 - ii. Amoxycillin Sodium and Amoxycillin Sodium with Clavulanate potassium cannot be chemically interchangeable with Amoxicillin Trihydrate. They are three different products. Therefore, Amoxicillin Sodium and Amoxicillin Sodium with Clavulanate Potassium should be specifically excluded from the scope of PUC for the sake of clarity and correctness.

B.3 Examination by the Authority

- 8. The Authority notes that the product under consideration is “Amoxycillin”, also known as Amoxycillin Trihydrate. The following types of products are however, excluded from the scope of the product under consideration: *Amoxycillin Sodium Sterile and Flucloxacillin Sodium Sterile, Amoxicillin Trihydrate Compacted Ampicillin Trihydrate Compacted and Amoxicillin Trihydrate and Clavulanate Potassium.*
- 9. Amoxycillin Trihydrate is a semi synthetic antibiotic, an analog of ampicillin, with a broad spectrum of bactericidal activity against many Gram-positive and Gram-negative microorganisms.
- 10. Amoxycillin is used to reduce the development of drug-resistant bacteria. To maintain the effectiveness of Amoxycillin and other antibacterial drugs, Amoxycillin should be used only to treat infections that are proven or strongly suspected to be caused by bacteria.
- 11. Amoxicillin being an organic chemical is categorized under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 29411030. The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.
- 12. Petitioner has claimed that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and the subject goods imported into India from the subject country. Subject goods produced by the Indian industry and imported in India are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. They are technically and commercially substitutable. The consumers are using the domestically manufactured and imported Amoxycillin interchangeably. The Authority notes that for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as like article of the product imported from the subject country within the meaning of the Rule 2(d) of the Rules.

C. Domestic Industry and Standing

13. The present application has been filed by M/s Aurobindo Pharma Ltd., who is a domestic producer of the product under consideration in India.

C.1 Views of the Domestic industry

14. The petition has been filed by M/s. Aurobindo Pharma Ltd., Hyderabad as a domestic producer of the product under consideration. There are some other known producers of Amoxicillin in India.

15. The petitioner has claimed that DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd. has supported the petition. However, DSM has communicated its support directly to the Designated Authority.

16. The petitioner has submitted that they do not have access to actual production information of other Indian producers and there is no publicly available information in the Country in this regard. The petitioner made efforts to collect accurate information by sending communications to the other known producers to co-operate in the investigations by providing the relevant information. The petitioner has further contended that merely because the other companies are unwilling to cooperate with the authority, the same does not imply that rights of the petitioner should be compromised. In the absence of any publicly available information, petitioner has assessed the production of other producers based on their own market intelligence. Therefore, the assessment given in the petition is based on best estimates on conservative side (i.e., overstated in order to ensure that the actual information in any case should not disturb the standing of the petitioner). Petitioner has argued that actual production of the other companies is lower than the assessment of petitioner. Further, no information whatsoever has been provided by other interested parties demonstrating that the claim made by the petitioner is inappropriate.

17. The petitioner has very low captive consumption as compared to its total production. Even if captive consumption is not considered the petitioner will continue to fulfill the standing requirements.

18. The interested party is misleading the Authority in interpreting that the DA is required to mandatorily exclude captive consumption for determining standing. In fact, contrary to the argument of the interested party, the decision of WTO is clearly to consider total production while determining standing. Further, in any case, liberty given to the authority to exclude captive consumption in certain situation does not imply that the DA is bound to exclude captive in all cases.

19. Petitioner has argued that a major proportion means significant and important share and not 50% or more shares. Petitioner has also referred to the practice of the Designated Authority in the past cases in this regard and the decision of the CESTAT in the matter concerning Lubrizol vs Designated Authority. Since the production of petitioner constitutes a major proportion, whether or not the other Indian producers cooperate with the Authority, the petitioner has claimed entitlement to protection under the law and considers to have satisfied the standing requirements and constitute domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

C.2 Submissions by exporters, importers and other interested parties

20. The interested parties have made the following submissions with regard to the standing of the domestic industry:

- i. In order to become Domestic Industry, the applicant must represent a major proportion of the total domestic production in India. The phrase 'major proportion' has to be interpreted to reflect a substantial portion of the domestic production and not just a mere one third as is the case with the domestic industry.

- ii. Domestic industry should include domestic producers as a whole and not a fragment of total domestic producers.
- iii. The DA should get full details about the producers in India and their actual production, not estimated, before the investigation is initiated in accordance with Rule 5(3).
- iv. The Petition is silent about the Methodology adopted for working out the estimated production of Indian Producers. Further, the estimates are claimed as confidential information.
- v. In addition to the 6 producers claimed to be only producers in India, there are so many other producers of Amoxicillin in India.
- vi. More than 50% of the production of the applicant is captively consumed or exported by the Petitioner Company. This indicates that the analysis of injury for the initiation was based on about 15% of the total domestic production of the applicant producer. It cannot be regarded as representative analysis of injury for and on behalf of the domestic industry. Reference to Final Finding No. 14/9/2016-DGAD dated 20th Oct., 2016 in respect of Anti-dumping investigation concerning imports of “Low Ash Metallurgical Coke” originating in or exported from Australia and China PR and CESTAT Final Order Nos. 6 to 15/2000-AD, dated 21-1-2000 in Appeal Nos. C/692 to 697/98-AD and C/63 to 66/ 99-AD, in respect of PIG IRON MFRS. ASSCN. Versus Designated Authority, MIN. OF COMMERCE
- vii. Application filed by the applicant is not complete unless more than 60% producers do not file questionnaire responses with the authority.
- viii. Injury analysis shall not be complete unless data of economic parameters is not examined by the Designated Authority in respect of all producers of the subject goods in India.
- ix. It has been specifically submitted that DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd. (“DSM”) has supported the petition. However, the Exporters have not been provided with any communication evidencing the same.
- x. The investigating authorities cannot exclude the domestic producers except for permissible exceptions under Article 4(1) of the AD Agreement.
- xi. The degree of support or opposition to the application has not been determined by the Authority.
- xii. Any support or opposition to an application can only be after filing of application and prior to the initiation of investigation which is not the case in the present investigation.
- xiii. A non-confidential version of the support letter should be placed in the public file for inspection by the interested parties.
- xiv. The imperative nature of Rule 5(3) of AD Rules leaves no room for doubt that any support or opposition to an application can only be after filing of application and prior to the initiation of investigation which is not the case in the present investigation.

C.3 Examination by the Authority

21. The Authority notes that the application has been filed by M/s Aurobindo Pharma Ltd., who is a domestic producer of the product under consideration in India, seeking imposition of anti dumping duty on imports of Amoxicillin from the subject country and commanding 34% of the total production of the subject goods in India, and has provided relevant information.
22. The Authority notes that there are some other known producers of the product under consideration besides the petitioner, namely:
 - (a) DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd.
 - (b) Dalas Biotech
 - (c) Parabolic Drugs
 - (d) Penam Laboratories Ltd.
 - (e) Asiatic Drugs and Pharmaceuticals

(f) G. G. Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
(g) Gujarat Dyestuff Industries

23. Letter from M/s DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd. supporting the petition is on record of the Authority. They have provided details regarding their Capacity, Production, Domestic Sales, Deemed Exports, Exports Sales, Captive Consumption and Closing Stocks. M/s DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd. is representative of the total domestic production of the product under consideration.

24. Further, response has been received from M/s Gujarat Dyestuff Industries, M/s G. G. Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd. and M/s Asiatic Drugs & Pharmaceuticals Pvt. Ltd. in support of the investigations being conducted. However, no further information has been received from these parties. It has been contended by one of the opposing interested parties whether only a letter of support is sufficient to make the standing or the supporting company must file questionnaire response also to show its real intent. The petitioner has rebutted the above contention by stating that a supporter is not required to submit complete questionnaire response unless the supporter company desires to for the purpose of establishing standing.

25. With regard to the contention of the opposing parties that it is the responsibility of the DA to get full details about the actual production of other producers in accordance with Rule 5(3), it is noted that the Designated Authority is required to make determination on the basis of material and information available on record including the contents of the petition. The Designated Authority is required to satisfy itself with regard to sufficiency of the evidence.

26. The Authority has considered the information provided by the other producers of the product and wherever such information is not available the Authority has relied on the best information available for the assessment of total Indian production. It is found that the share of the producers expressly supporting the investigation is significant to constitute “major proportion”. Therefore, the Authority holds that petitioner is eligible to be treated as the domestic industry within the meaning of the term in the Rules for the purpose of this investigation within the meaning of Rule 2(b) of the Rules and holds that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

D. Interested Parties to the investigation

27. The Authority notes that following producers/exporters of subject goods from China PR have submitted their responses to the exporter's questionnaire and their data has been verified to the extent considered necessary.

- a. M/s North China Pharmaceutical Co. Ltd.
- b. M/s North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd.
- c. M/s Zhuhai United Laboratories Trading Co. Ltd.
- d. The United Laboratories (Inner Mongolia) Co. Ltd.
- e. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd.
- f. M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd.
- g. M/s Team Crown Trading Limited
- h. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd.

28. Apart from the above responses, the following interested parties have also filed submissions:

- a. China Chamber of Commerce for Import & Export of Medicines & Health Products
- b. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd. and its Affiliates

- c. Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. and its Affiliates
- d. North China Pharmaceuticals Group Semisyntech Co. Ltd. and its Affiliates

29. However, none of the exporters/ producers has claimed Market Economy Treatment.

30. Letters have been received from the following Indian producers, supporting the investigations:

- a. DSM Sinochem Pharmaceuticals India Pvt. Ltd.
- b. Gujarat Dyestuff Industries
- c. GG Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
- d. M/s Asiatic Drugs and Pharmaceuticals

31. None of the importers or users of the subject goods have filed importers' questionnaire response/injury submissions.

E. Miscellaneous issues raised by the interested parties

F.1 Submissions by exporters, importers and other interested parties

32. The interested parties have raised several issues with respect to the present investigation, including methodologies of dumping determination adopted by the domestic industry in its petition and their injury claims. While the issues regarding dumping and injury determination have been dealt in the appropriate places in this finding, the general issues raised by the parties to the investigation have been examined hereunder to the extent they are relevant. For the sake of brevity, the submissions of the parties and issues raised therein have been summarized as follows:

- a. That excessive confidentiality has been claimed by the domestic industry and most of the vital data pertaining to the claims of dumping and injury have been kept confidential thereby denying the interested parties to meaningfully understand and comment upon them;
- b. That the domestic industry has not provided a soft copy in excel file of the transaction-wise sorted import data along with the original/raw import data obtained from IBIS. Rule 5(2), the application proforma and the guidelines issued by the Hon'ble Authority under the Indian anti-dumping law as per trade notice 1 of 2013 and trade notice 2 of 2004, require the domestic industry for disclosure of the import data in excel file;
- c. That the use of IBIS information is not appropriate as IBIS has reported several transactions which are duplicate;
- d. That the company-wise production and sales volume details of the domestic producers other than the applicant have been kept as confidential;
- e. That the sales of other domestic producers in 2014-15 are identical with the figures of POI and have not been altered. It is clear from the above that the domestic industry has provided misleading information with a view to show injury to the domestic industry whereas the same does not exist;
- f. That investigation must be terminated for failure to provide copy of application in timely manner. Revised application with expanded POI was filed 37 days after the initiation and was not immediately put in the public file for reasons unknown;
- g. That there is an overlapping period of six month in the POI and the previous year which has made it difficult for the exporters to understand the non-confidential version of the Application as the indexed trends can be misleading. The domestic industry should have provided separate data/information as regards the period April 2015 to December 2015.
- h. No details of price underselling and injury margin have been provided in the non-

confidential application.

- i. The Applicant has claimed to have provided DGCI&S import statistics in their written submissions. Transaction-wise import data is confidential in nature and disclosure of the same is contrary to dissemination policy of DGCI&S. the Authority may put the Applicant under strict scrutiny on its source of DGCI&S data and correctness of the same.

F.2 Views of the Domestic Industry

33. The domestic industry, in its submissions, has refuted the arguments of the interested parties. The submissions of the domestic industry, in this respect, have been summarized as follows:

- a. That the exporters have claimed most of the information as confidential and no proper summarization has been provided by them.
- b. That the interested parties have not disclosed all such information that they are obliged to disclose under the Rules and practice being followed by the Designated Authority in this regard;
- c. That nothing excessive has been claimed confidential by the petitioner. The petitioner has provided sufficient reasoning to claim costing information as confidential.
- d. Further, confidentiality has been claimed on information not publically available.
- e. As per the requirement, the petitioner has provided transaction-wise import data along with the non-confidential petition and post-initiation submissions. There is no legal requirement for soft copies of import data being made available to other interested parties.
- f. The petitioner has clearly mentioned in the petition that it has relied on the IBIS import information. In fact, the IBIS data on which the petitioner relied while making the application is available in the public domain on payment of nominal charges.
- g. Further, the Petitioner has submitted a soft copy of the Petition using MS Word to the Designated Authority in the confidential version.
- h. There is no obligation on the petitioner to provide the same in the non confidential version in the manner in which the opposing parties want. The right of the interested parties is limited to have a copy of the petition which they already have. The confidential application is made to the Designated Authority and never served to the interested parties. There is no law which requires the petitioner to provide some particular information in a particular format in the non confidential version for the convenience and ease of the other interested parties.
- i. The petitioner has provided all the evidence on which it relied for establishing dumping, injury and a causal link between such dumped imports and alleged injury. The requirement in the law is of the evidence and not of the evidence in any particular format. Rule 5(2) or any other rule in the Rules for that matter, nowhere mentions that the import statement relied should be in a particular format in the non confidential version.
- j. All non-confidential information has been provided including the transaction-wise data as well as the source of information in accordance with the rules and trade notice.
- k. The domestic industry has provided best available information. Petitioner's understanding is that other Indian producers' production has not undergone any change in POI as compared to preceding year.
- l. The legal requirement is filing of a copy of the petition filed under Rule 5(1) which formed the basis of initiation of investigation. The said document was available in public file immediately after initiation. The investigations were initiated on 27th April 2016 and copies of non-confidential version of the petition forming the basis of initiation were submitted by the domestic industry on 3rd May 2016. The petitioner submitted post-initiation submissions for the POI extended by the Authority on 3rd June 2016. The interested parties were not barred from filing questionnaire responses for this reason. The Designated Authority has

provided ample opportunity to the interested parties to defend their interests. The Designated Authority has not rushed with interim measures. In fact, the Designated Authority has not considered interim measures and therefore the interested parties have got additional time to defend their interests.

- m. The requirement under the Rules is to consider the information for the POI as a whole. There is no such requirement to submit information in fragmented form. Further, the trade notice clearly states that there can be overlap. Above all, the Designated Authority has issued numerous findings wherein POI was overlapping with the preceding years. It is an established practice in India.

F.3 Examination by the Authority

34. Various miscellaneous issues raised by the interested parties have been examined. As far as the issues raised by the interested parties and the domestic industry regarding the confidentiality claims are concerned, the Authority notes that to the extent possible and practicable the confidentiality claims of various parties submitting the information have been examined and confidentiality claims admitted on the basis of nature of information provided by the parties.
35. As regards the transaction-wise import data submitted by the petitioner at the time of initiation and inclusion of certain items which are not covered under product under consideration is concerned, the Authority notes that at the time of initiation *prima facie* evidence submitted by the domestic industry was relied upon. However, subsequently the petitioner procured DGCI&S transaction-wise import data after due authorization from the Authority. The Authority has made an analysis of the transaction-wise import data obtained from DGCI&S and only those transactions clearly identified as product covered under the investigation have been taken into account for all determinations.
36. As far as adequacy of information submitted by the petitioner in its application is concerned, the Authority notes that *prima facie* evidence submitted by the petitioner was examined by the Authority before initiation of the investigation and on being satisfied with adequacy of the *prima facie* evidences; the subject investigation was initiated. However, the actual determination is based on actual data of the responding exporters and other facts available with the Authority. Therefore, the interest of the parties has not been compromised in any manner.
37. As regards the timely submissions, the Authority notes that interested parties were given ample opportunity to defend their interests and file questionnaire responses.
38. As regards overlapping period of six months in the POI and the previous year, the Authority notes that there is no legal bar to have overlapping POI and in fact a number of findings have been issued by the Authority wherein POI was overlapping with the preceding years.
39. Other issues raised by the interested parties have been addressed in the respective sections in this finding.

F. Normal Value, Export Price and Dumping Margin

40. The investigation was initiated against the goods originating in or exported from China PR. As noted earlier the following producers/exporters of the subject goods from China PR have filed exporter questionnaire responses. However, none of these producers/ exporters has submitted Market Economy Questionnaire for claiming MET:
 - a. M/s North China Pharmaceutical Co. Ltd.

- b. M/s North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd.
- c. M/s Zhuhai United Laboratories Trading Co. Ltd.
- d. The United Laboratories (Inner Mongolia) Co. Ltd.
- e. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd.
- f. M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd.
- g. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd.
- h. M/s Team Crown Trading Limited

G.1 Submissions by exporters, importers and other interested parties

41. Following issues have been raised by other interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin:

- a. The item-wise details of constructed normal value as well as normal value have been kept as confidential in the petition and only the ranges for the normal value have been given.
- b. The domestic industry has not provided any evidence with regard to the adjustments claimed for net export price.
- c. The methodology used for computation of the normal value is in violation of Annexure I (7) of the AD Rules. The Authority is required to construct normal value after sequentially applying the different methods mentioned in Annexure I (7) of the AD Rules, and only if construction by the first two methods is not possible, reliance can be placed on the third method.
- d. The normal value in China may be determined on the basis of normal value prevailing in Australia or by considering the import price of like article from the market economy third country to India.
- e. One of the interested parties [M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co., Ltd.] has contended that normal value in the current investigation should be determined on the basis of their domestic sales and the cost of the subject goods in view of the fact that the period of 15 years for disregarding the domestic prices or costs of Chinese producers not being on market economy conditions as provided in para 15(a)(ii) of the Protocol of Accession of the People's Republic of China to WTO, has expired in the last month on 11th December 2016 in terms of para 15(d).

G.2 Views of the Domestic industry

42. Submissions made by the domestic industry with regard to MET, normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. One of the provisions of Accession protocol has expired on 11th December, 2016. The Designated Authority should proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating in non-market economy conditions due to reasons given below.
- b. The investigation period considered by the Authority in the present case is October 2014 to December 2015 (15 months). The injury investigation period has been considered as 2012-13, 2013-14, 2014-15 and POI.
- c. The purpose of fixation of POI is to consider a period when the existence of dumping causing injury is claimed and established. The date of determination is not relevant to the moot question of dumping causing injury to the domestic industry. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone should be considered relevant, appropriate and necessary for the purpose.
- d. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be

adopted.

- e. The consideration of market economy status is based on parameters prevailing during investigation period. Since the reason for rejection of Chinese costs and prices is distortion in the costs and prices in China due to the factors listed in Para 8 to Annexure-I, petitioner submits that it is the investigation period that is relevant to decide whether Chinese producers are market economy companies or not.
- f. Since Chinese companies have been denied market economy status for the reasons mentioned in Para 8 of Annexure-I till December, 2016, petitioner submits that the Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies till such time the investigation period includes the period specified in Accession Treaty protocol.
- g. In the context of rule 2(b), it is well established legal position that the imports by a domestic producer or its relationship with an exporter or importer are examined with reference to the investigation period. If POI alone is relevant for standing purposes, POI alone should be relevant for normal value determination.
- h. Chinese producers are required to be treated as companies operating under non-market economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- i. Normal value in China cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. Therefore, normal value should be determined on the basis of constructed cost only.

G.3 Examination by the Authority

(a) Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

43. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

44. The Authority sent copies of exporter's questionnaire and questionnaire on market economy treatment (MET) to exporters in China PR. However, no producer/exporter has claimed MET. In view of the above, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure I to the Rules for determination of normal value in case of China PR which provides as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

45. As regards the claim of opposing interested parties that normal value in China may be determined on the basis of normal value prevailing in Australia or by considering the import price of like article from the market economy third country to India, it is noted that no information has been provided in this regard by any party. Therefore, the Authority has proceeded in accordance with the Rules.
46. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
 - a) On the basis of the price in a market economy third country, or
 - b) The constructed value in a market economy third country, or
 - c) The price from such a third country to other countries, including India.
 - d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
47. In view of the above, the Authority has determined normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject goods imported from China into India has been constructed considering optimum consumption of major raw materials as per information provided by the domestic industry, conversion cost, interest, SGA expenses, etc. at the levels allowed for the domestic industry along with a reasonable profit on the cost of production. Accordingly, the normal value so determined is as shown in the Dumping Margin Table below.

(b) Export Prices

48. The Authority notes that the following Chinese producers/ exporters have filed exporter questionnaire response in the present investigation:
 - a. M/s North China Pharmaceutical Co. Ltd.
 - b. M/s North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd.
 - c. M/s Zhuhai United Laboratories Trading Co. Ltd.
 - d. The United Laboratories (Inner Mongolia) Co. Ltd.
 - e. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd.
 - f. M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd.
 - g. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd.
 - h. M/s Team Crown Trading Limited

North China Pharmaceutical Co. Ltd. (NCPC) & North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd. (Semisyntech)

49. Pursuant to initiation of the present investigation, exporter questionnaire response has been filed by North China Pharmaceutical Co. (NCPC) along with its subsidiary company, North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd. (Semisyntech). NCPC does not produce Amoxicillin. It exports Amoxicillin produced by Semisyntech. The Authority notes that during the POI, NCPC had exported to India *** MT of the subject goods for the total invoice value of US\$ ***. As per the information available in the EQ response, the export sales of NCPC to India were on CIF basis and are on **** days LC terms. After considering the adjustments claimed by NCPC on account of inland transportation, Ocean Freight, handling charges, marine insurance, interest, credit cost, bank charges and non- refundable VAT of ***%, the Authority has determined the ex- factory export price for NCPC as reflected in table below.

United Laboratories Inner Mongolia (Producer/exporter) Zhuhai United Laboratories Co Ltd, China (Producer/exporter) Zhuhai United Laboratories Trading Co (Exporter) and Team Crown Trading Company (Exporter)

50. Questionnaire response has been filed by Zhuhai United Laboratories Co Ltd, China and United Laboratories Inner Mongolia (Producer/exporter). Both these companies have directly exported the product under consideration to India. Further, both these companies have exported the product under consideration through their trading companies namely Zhuhai United Laboratories Trading Co and Team Crown Trading Company, who have also filed exporter questionnaire response. However, it is seen that **Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co., Ltd** (Zhongshan Branch) is also a producer of the product under consideration in China and the company is related to the two producers and two exporters who have filed questionnaire responses and have participated in the present investigation. It was however noted in the disclosure statement that the fact that **Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co., Ltd** (Zhongshan Branch) is a producer of the product under consideration has not been disclosed to the Authority and such material fact had come to the notice of the Designated Authority during verification. Since such material facts had been suppressed by the producer-exporters, the Authority was constrained to reject the claim of individual dumping margin to the responding producers-exporters. The Authority had noted in the disclosure statement in this regard that the fact that **Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co., Ltd** may or may not have exported the product under consideration to India was entirely immaterial.

51. Post disclosure, the exporter has clarified that **Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co., Ltd** (Zhongshan Branch) is not a company, but a part/branch/division of Zhuhai United Laboratories Co Ltd, China (Producer/exporter). The exporter has also claimed that Zhongshan branch does not produce bulk drugs. It only makes finished product. Further, Zhongshan branch has not exported to India. On examination of the evidence submitted by the exporter in support of the above claims post-disclosure, the Authority now considers to grant individual dumping margin to the responding producers-exporters of Zhuhai group.

52. Furthur, The Economic & Commercial Counsellor's Office, Embassy of the People's Republic of China has also offered post -disclosure comments mentioning that according to their investigation, Zhongshan Branch is not an affiliated company of Zhuhai UL; it is only a branch organization of Zhuhai UL. It is also mentioned that Zhongshan Branch is one of the plants of Zhuhai UL, which produces finished products and does not produce the PUC.

53. From the information available in the EQ response, the Authority notes that during the POI, Zhuhai United Laboratories Co Ltd, China and United Laboratories Inner Mongolia, exported to India total****MT of product concerned for the total invoice value of ****US\$ directly as well as through

their trading companies namely Zhuhai United Laboratories Trading Co and Team Crown Trading Company. Further, Zhuhai United Laboratories Trading Co has also exported to India through Team Crown Trading Company. As per the information available in the EQ response, the export sales of Zhuhai group to India were on CIF basis and are on **** days LC terms. After considering the adjustments claimed by Zhuhai group on account of inland transportation, Ocean Freight, Port handling charges, marine insurance, interest, bank charges and non- refundable VAT of ****%, the Authority has determined the ex- factory export price for Zhuhai group, as given in table below.

M/s Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd.

54. From the information available in the exporter's questionnaire response, the Authority notes that Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. (Changsheng) is a producer and exporter of Amoxicillin. All exports to India are made by Changsheng.
55. From the information available in the EQ response, the Authority notes that during the POI, Changsheng, exported to India total****MT of product concerned for the total invoice value of ****US\$. As per the information available in the EQ response, the export sales of Changsheng to India were on CIF basis and are on **** days LC terms. After considering the adjustments claimed by Changsheng on account of inland transportation, Ocean Freight, Port handling charges, marine insurance, interest, bank charges and non- refundable VAT of ****%, the Authority has determined the ex- factory export price for Changsheng, as given in table below.

M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd. (Sunrise)

56. M/s Shanghai Sunrise Chemical Co. Ltd. (Sunrise) is an export trading company in Shanghai. Sunrise exports the subject goods to many countries including India either directly or through agent in that country. However, Sunrise has not stated in their response the names of producers from whom they procured the product under consideration for exports to India, details of quantum and value of such exports, relationship of Sunrise with the producers of subject goods, etc. Therefore, the Authority holds that the response submitted by Sunrise is incomplete. In view of the above, the response submitted by Sunrise has been rejected.

(c) Dumping Margin

Responding exporters

57. Considering the Normal Value and the Export Prices determined above, the Dumping margins have been calculated as given in the table below.

All other exporters from China

58. As per the import data total 1,255 MT of the subject goods were imported from China during the POI, out of which the responding exporters account for total ***approx MT. Therefore significant volume of the subject goods have been exported by other exporters from China during this period. In the absence of cooperation from these exporters, dumping margin for all non-cooperative exporters from China has been determined based on facts available taking into account the information provided by the cooperating exporters from China as given in the table below.

Dumping margin table

SN	Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin US\$ / Kg	Dumping Margin %
1	North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd. (Semisyntech)	North China Pharmaceutical Co. Ltd. (NCPC)	****	****	****	15%-25%
2	Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. (Changsheng)	Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. (Changsheng)	****	****	****	10%-20%
3	Zhuhai United Laboratories Co Ltd United Laboratories (Inner Mangolia) Co. Ltd.	Zhuhai United Laboratories Co Ltd United Laboratories (Inner Mangolia) Co. Ltd. Zhuhai United Laboratories Co Limited Zhuhai United Laboratories Trading Co Team Crown Trading Company	****	****	****	10%-20%
4	All Others		****	****	****	40-50%

G. Determination of Injury and Causal Link

59. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure – II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

60. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s Aurobindo Pharma Ltd., who is a domestic producer of the product under consideration in India, and commands a major proportion of total production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the petitioner has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination, the cost and injury information of the petitioner, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

G.1 Views of other Interested Parties regarding the injury claims of domestic industry

61. The exporters, importers and other interested parties to this investigation, in their respective submissions, regarding the injury and causal link, have inter alia argued:

- a) That the domestic industry has arbitrarily reduced the landed value on account of commission to a trader. The only conclusion which can be drawn for reducing the landed value in such a manner is to artificially show price undercutting which otherwise does not exist in the current case.
- b) That the sales of other domestic producers in 2014-15 are identical with the figures of POI and have not been altered. It is clear from the above that the domestic industry has provided misleading information with a view to show injury to the domestic industry whereas the same does not exist.
- c) That the injury information from other domestic producers may also be obtained for a representative and meaningful analysis in the current investigation.
- d) That there is no injury and causal link is absent in the current investigation as imports from China in absolute terms have declined by about 17% in the period of investigation as compared to immediately previous year and market share of imports in the total demand has also come down by about 3% over the same period.
- e) That the sales and market share of the applicant producer are not affected by imports but due to other reasons such as decline in demand and inter se competition among the domestic producers.
- f) That the decline in the domestic prices by 10% is much more than the decline in import prices in the POI as compared to the immediately previous year.
- g) Analysis of capacity, production, capacity utilization and inventory is not relevant as the applicant producer has significant exports and captive consumption of about 50% of its total production of subject goods and also it manufactures other products from the same capacity. Further, the details for average inventory have been provided in the application but not the closing inventory as it is the closing inventory only which will indicate the injury but not the average inventory or opening inventory. Therefore, any conclusion on injury on the basis of these factors would be misleading.
- h) The indexed trend in the opening stock shows a steep increase in the POI which can only be construed to be inconsistent with production and total sales of the domestic industry.
- i) When the imports were the highest in the year 2014-15, the profits of the company increased to 231%, cash profit to 221% and profit before interest to 126% in the same year as compared to base year 2012-13. On further analysis, it may be seen that when the imports in the POI declined by 17%, APL incurred losses. It indicates that there is no relationship between the imports and the profits/losses to the applicant producer.
- j) The number of employees engaged by the applicant domestic producer has remained constant; however, there has been a steep increase in the wages.
- k) Landed values of the subject goods over the injury investigation period have increased by 14% whereas the domestic industry could increase its prices only by 9%. On further analysis, it may be seen that in the POI, the landed value declined by 4% as compared to previous year 2014-15 whereas the domestic prices declined by 11% over the same period.
- l) That when the capacity remains the same, the depreciation as well as GFA/NFA instead of coming down, increased. Similarly, when the capacity increased, the depreciation and GFA/NFA came down. It indicates that the performance of the domestic industry is dependent upon the performance of other products but not affected due to dumped imports.
- m) Decline in productivity and the increase in wages have affected the performance of APL.
- n) Imports from China PR could not be causing significant price undercutting because when the

export price is at its highest, the price undercutting range (as per the application) is also at its highest.

- o) The overall profitability and revenue of the Applicant in the year 2014-15 has increased substantially which is evident from the Annual Report for the said year of the Applicant.
- p) The imports from subject country cannot be said to be causing price suppression as landed price after accounting for commissions has increased.
- q) There has been a general increase in the trend of cost of sales per unit of the domestic industry as well its domestic sales value.
- r) Despite sufficient demand in the country, the Applicant has not sufficiently enhanced production, resulting in demand supply gap.

G.2 Views of the domestic industry

62. The domestic industry, in its submissions, has *inter alia* argued as under:

- a) Imports have increased significantly over the injury period.
- b) Imports in the POI are significantly high.
- c) Price undercutting is significant throughout the injury period.
- d) Since the commission paid by the domestic industry is not considered for determination of NIP as well as net sales realization, it is appropriate to deduct commission paid to the Indian importer from the landed value. Comparison of NIP with import price must constitute fair comparison.
- e) Imports are depressing the prices of the domestic industry in the market. Further, whereas the domestic industry should have increased its prices, the domestic industry has been forced to reduce the prices.
- f) Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of sales volume, production, capacity utilization, inventories and market share.
- g) Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, cash flows and return on investments.
- h) Growth in terms of production, sales, capacity utilization and market share is negative. Profits, return on investment and cash profits have also shown adverse performance in the POI.
- i) The dumping margin is not only more than de-minimis but also substantial. Injury margin is also positive and quite significant.
- j) In addition to the material injury, there is a threat of intensified dumping and consequent injury to the domestic industry by dumped imports.

63. The domestic industry has requested to impose anti dumping duty in the form of fixed duties.

G.3 Examination of the issues by the Authority

64. The Authority notes the arguments of the domestic industry and other interested parties and various issues raised therein and has addressed them in the relevant paragraphs hereunder.

- a) With regard to the contention of the opposing interested parties that the domestic industry has arbitrarily reduced the landed value on account of commission to a trader to artificially show price undercutting, the Authority noted the same and has not reduced the landed value on account of commission to trader.
- b) With regard to the contention that the sales of other domestic producers in 2014-15 are identical with the figures of POI and have not been altered; it is noted that in the absence of any verifiable information on actual sales volume of the other Indian producers, the Authority has

relied upon the best information available.

- c) With regard to the contention that the injury information from other domestic producers may also be obtained for a representative and meaningful analysis in the current investigation; it is noted that none of the other producers provided any information in this regard. Therefore, the Authority has relied upon the best information available.
- d) With regard to the contention that the applicant producer has significant exports and captive consumption of about 50% of its total production of subject goods and also it manufactures other products from the same capacity; the Authority notes that once scope of the domestic industry has been frozen, the authority shall thereafter determine injury to such domestic industry. The injury analysis has been done in respect of the domestic sales of the PUC only based on the injury claimed by the petitioner on its domestic sales.
- e) With regard to the contention that the parameters of capacity and depreciation are inconsistent, indicating that the performance of the domestic industry is dependent upon the performance of other products but not affected due to dumped imports; the Authority notes that the petitioner produces a number of products in the same plant with the product under consideration. The petitioner apportions expenses on the basis of machine hours utilized for each product. The machine hours utilized is dependent on the volume of production of each product. As the depreciation and GFA/NFA are apportioned on the basis of machine hours utilized, considering the best utilization for the product under consideration; increase and decline in these parameters is dependent on machine hours utilized and not the capacity for production.
- f) With regard to the contention that the overall profitability and revenue of the Applicant has increased substantially in the year 2014-15 as evident from the Annual Report of the Applicant; the Authority notes that the petitioner is a multi-product, multi-location company. Therefore, the Annual Report reflects the performance of the Company as a whole and is not reflective of the performance of the product under consideration.
- g) With regard to the contention that there is demand supply gap, the Authority notes that there is sufficient capacity with Indian producers to meet the Indian demand.

G. 4 Examination of Injury and Causal Link:

65. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the prices of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

G.5 Examination of actual and potential impact of dumped imports

66. Annexure II to the Anti Dumping Rules, in its relevant parts, provides that *the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to*

raise capital investments.

67. In accordance with the above Rules all economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above have been examined as under: -

(a) Volume Effects of Dumped Imports:

(i) Import volumes and share of subject country:

68. After examination of the volume and prices of the imports from various sources the Authority has relied upon the transaction-wise import data from DGCI&S and individual transactions have been examined based on the product descriptions to identify the product under consideration. The transaction-wise data procured from DGCI&S has been placed in public folder. The volume of imports during the injury investigation period, as per this analysis, is as follows:

Import Volume	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A	POI*
China	MT	506	681	1,258	1,004	1,255
Other Countries	MT	55	107	34	39	48
Total Imports	MT	561	788	1,292	1,043	1,304
Indian Production	MT	6,113	6,503	7,130	6,732	8,416
Demand	MT	3,518	4,354	5,404	5,012	6,265
Subject imports in relation to						
Total Imports	%	90.15	86.43	97.34	96.29	96.29
Demand	%	14.39	15.63	23.28	20.04	20.04
Production	%	8.28	10.47	17.65	14.92	14.92

69. The Authority notes that imports from China have increased in absolute terms as well as in relation to total imports, production and consumption. Some interested parties have argued that imports from China in absolute terms have declined by about 17% in the period of investigation as compared to immediately preceding year and market share of imports in the total demand has also come down by about 3% over the same period. The Authority notes that the imports from subject country account for about 96% of the total imports during the POI. Though there is a marginal decline in imports in the POI as compared to immediately preceding year 2014-15; imports in the POI are significantly higher than the base year 2012-13. The domestic industry has refuted in their arguments that injury analysis is done over a period of time and not just compared to the immediately preceding year/period. The domestic industry has further contended that this tapering of imports is a result of aggressive pricing decisions taken by the domestic industry faced with increasing imports of the product under consideration till 2014-15.

70. Examination of data shows that the volume of imports has increased by nearly 200% in absolute terms over the injury period and the market share of subject imports in demand has increased by 6% when compared to base year, 2012-13.

(ii) Demand and Market Share:

71. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased over the period.

Demand	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A	POI*
Imports from China	MT	506	681	1,258	1,004	1,255
Imports from Other Countries	MT	55	107	34	39	48
Sales of domestic industry	MT	1,250	1,568	1,300	1,203	1,504
Sales of Other Indian producers	MT	1,707	1,999	2,812	2,766	3,458
Total Demand	MT	3,518	4,354	5,404	5,012	6,265
<i>Trend</i>		100	124	154	142	142
Market Share in Demand						
China	%	14.39	15.63	23.28	20.04	20.04
Other Countries	%	1.57	2.45	0.64	0.77	0.77
Domestic industry	%	35.53	36.01	24.05	24.00	24.00
Other Indian producers	%	48.51	45.91	52.03	55.19	55.19
Indian Producers as a whole	%	84.04	81.91	76.08	79.19	79.19

72. The above data indicates that demand in the POI, on annualized basis, has declined as compared to previous year, 2014-15; however, it has increased significantly as compared to base year, 2012-13. During the injury investigation period, the demand of the subject goods in the domestic market increased by 42% compared to the base year.

73. Market share held by the domestic industry has declined over the injury period from 35.5% to 24%, whereas market share of the subject country has increased from 14% to 20% over the injury period. The increase in market share of the subject country is significant. This clearly establishes material injury being caused to the domestic industry.

(b) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

74. With regard to the impact of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression.

(i) Price undercutting effect of the dumped imports

75. Price undercutting has been determined by comparing the landed values of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the net sales realization of the subject goods sold by the domestic industry to see whether the imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.

76. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The price undercutting of the subject goods from the subject country works out as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI *
Landed Price	Rs./KG	1,531	1,769	1,823	1,745
Selling Price of DI	Rs./KG	****	****	*****	*****
Price Undercutting	Rs./KG	****	****	****	****
Price Undercutting	%	****	****	****	****
Price Undercutting	Range	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%

77. The opposing interested parties have contended that decline in the domestic prices by 10% is much more than the decline in import prices in the POI as compared to the immediately previous year. The Authority notes in this regard the argument of the domestic industry that the domestic industry has to respond to the import prices or it will lose its sales. The landed price in actual terms is below the selling price of the domestic industry and undercutting the domestic prices.

(ii) Price underselling effect of the dumped imports

78. For examining the underselling effects of the dumped imports, the landed value of imports has been compared with the Non-Injurious Price determined. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis show that during the POI, the landed value of subject imports was below the non-injurious price of the domestic industry as can be seen from the table below.

Particulars	Rs./Kg.
Non-Injurious price	*****
Landed Value	1,745
Injury Margin	****
Injury Margin %	****
Injury Margin (Range)	10-15%

(iii) Price Suppression, Depression effects of dumped imports

79. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI*
Cost of Sales	Rs./Kg	****	****	*****	****
<i>Trend</i>		100	108	116	113
Selling Price	Rs./Kg	****	****	*****	****
<i>Trend</i>		100	114	120	109
Landed Price	Rs./Kg	1,531	1,769	1,823	1,745
<i>Trend</i>		100	116	119	114

80. The above data indicates that both the cost of sales and the selling price have increased significantly up to 2014-15 and then declined in the POI. However, the Authority notes that the decline in selling price is more than the decline in cost. The decline in selling price is in response to the decline in the landed price of imports. Thus, the imports from the subject country had caused price depression.

(c) Examination of other injury factors

(i) Actual and potential impact on capacity, production, capacity utilization and sales

81. The table below shows the capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry for the product under consideration during the injury investigation period.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A	POI*
Capacity	MT	2,840	2,870	2,870	2,870	3,588
<i>Trend</i>		100	101	101	101	101
Production	MT	2,533	2,774	2,384	2,217	2,771
<i>Trend</i>		100	110	94	88	88
Capacity Utilization	%	89	97	83	77	77
Domestic Sales	MT	1,226	1,525	1,264	1,137	1,421
<i>Trend</i>		100	124	103	93	93
Demand	MT	3,518	4,354	5,404	5,012	6,265
<i>Trend</i>		100	124	154	142	142

82. The Authority notes that the domestic industry had enhanced its capacities marginally in 2013-14.

While the capacity has gone up by only 1% compared to the base year; the production has gone down by about 12% and the domestic sales have declined by about 7%. The capacity utilization increased in 2013-14 and then declined in 2014-15 and the POI. The opposing interested parties have argued that the decline in production and sales of the domestic industry is solely on account of decline in demand and inter se competition and not because of the alleged dumped imports.

83. The petitioner has refuted in their submissions that on overall basis there is an increase in demand over the injury period; whereas production and sales of the domestic industry have declined. At the same time the dumped imports have increased in the Indian market in significant volumes and at significantly dumped prices. Consequently, production and domestic sales of the domestic industry were affected.

(ii) Actual and potential impact on profit/loss, cash flow, returns on capital employed

84. Performance of the domestic industry with respect to the profitability parameters are as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A	POI*
Cost of Sales	Rs./Kg	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	108	116	113	113
Selling Price	Rs./Kg	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	114	120	109	109
Profit / Loss	Rs./Kg	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	320	231	-10	-10
Profit / Loss	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	398	238	-9	-9
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	358	221	10	10
Profit before Interest & Tax	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	235	126	15	15
Return on Capital Employed	%	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	162	92	13	13

85. The above data indicates that profit, cash profit and return on investment increased up to 2013-14 and then declined with increase in imports in 2014-15. The decline was so significant that the domestic industry has suffered financial losses in the POI.

86. With regard to the contention of other interested parties that there has been a general increase in the trend of cost of sales per unit of the domestic industry as well its domestic sales value; it is noted that cost and selling price have increased up to 2014-15 and then declined in the POI. It is also noted that selling price has declined more than the decline in cost, resulting in losses to the domestic industry in the POI.

87. The opposing interested parties have further contended that when the imports were the highest in the year 2014-15, the profits of the company increased and when the imports in the POI declined by 17%, APL incurred losses, indicating that there is no relationship between the imports and the profits/losses to the applicant producer. The Authority notes that there was fall in the volume of dumped imports in POI as compared to previous year; however, the prices of dumped imports have fallen steeply in the same period. It is noted that the domestic industry also reduced the price of its product lower than its cost of production/sales in order not to lose its volume of sales. This had adversely affected the profitability of the domestic industry in POI.

88. The domestic industry has also submitted that profit is required not only for sustainability of the production and sales of the product under consideration, but also for the future development of the industry producing subject goods. In a situation of losses, it would be difficult to sustain long term viability for the domestic industry not only in the product under consideration but also otherwise.

(iii) Actual and potential impact on Employment, Wages and Productivity

89. The data on employment and wages given below indicates increase in employment up to 2014-15 and then a decline in the POI. Wages have increased over the injury period. As regards the contention of the other interested parties on employment and wages, it is noted that the domestic industry has not claimed any injury on account of these factors for the macro economic reasons concerning the industry. Therefore, the information on employment and wages may not provide a very clear picture of the condition of the industry with respect to the product under consideration. The Authority notes that the productivity in terms of output per day as well as per employee has increased up to 2013-14 and then declined in tune with the level of production.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A	POI*
Employment	No	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	106	113	107	107
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	114	125	141	141
Productivity per day	MT	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	110	94	88	88
Productivity per Employee	MT	****	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	103	83	82	82

(iv) Actual and potential impact on Inventories

90. Information regarding inventory can be seen from the table below.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Opening Inventory	MT	****	****	****	****
Closing Inventory	MT	****	****	****	****
Average Inventory	MT	16	24	15	75
Trend		100	154	318	473

91. As regards the contention of the interested parties that it is the closing inventory only which will indicate the injury but not the average inventory or opening inventory; the Authority notes that inventory holding of the domestic industry has had an impact over the injury period.

(v) Actual and potential impact on ability to raise fresh Investment

92. The Authority notes that the production capacity for the product under consideration is not dedicated. The domestic industry produces a number of products in the same plant and therefore, the ability of the domestic industry to make fresh investment for the plant may not be impacted by the performance of the product under consideration alone. However, sharp decline in profitability of the product under consideration in the POI is likely to significantly affect the interest of the domestic industry to continue the production of the PUC.

(vi) Actual and potential impact on growth

93. Overall analysis of the performance of the domestic industry shows that the domestic industry has faced negative growth in terms of sales, production, capacity utilization, market share, employment, inventory, profits and return on investment. Considering the decline in these parameters during the POI, the potential impact of the dumped imports on these parameters could be significantly negative.

(vii) Magnitude of Dumping and Dumping Margin

94. The dumping margin of the dumped imports determined for the subject country is significantly above *de minimis* level.

(viii) Factors affecting prices

95. Examination of trends in the volume of dumped imports and prices of the dumped imports from the subject country, and the domestic prices indicate that the decline in demand in the domestic market and the presence of significant volume of dumped imports from the subject country have affected the prices of the domestic industry.

(d) Conclusion on Injury

96. The non-injurious price of the subject goods for the domestic industry has been determined as per the principles laid down in Annex-iii to the Anti- Dumping Rules for fair comparison with the respective landed value of the imports for determination of injury margin. The injury margins determined are as under:

S.No.	Producer	Exporter	NIP US\$/Kg	Landed Value US\$/Kg	Injury Margin US\$/Kg	Injury Margin %
1	North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd. (Semisyntech)	North China Pharmaceutical Co. Ltd. (NCPC)	***	***	***	10%-20%
2	Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. (Changsheng)	Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd. (Changsheng)	***	***	***	10%-20%
3	Zhuhai United Laboratories Co Ltd United Laboratories (Inner Mangolia) Co. Ltd.	Zhuhai United Laboratories Co Ltd United Laboratories (Inner Mangolia) Co. Ltd. Zhuhai United Laboratories Trading Co Team Crown Trading Company	***	***	***	10% -20%
4	All Others		***	***	***	35% -45%

97. The above data indicates that the injury margins of dumped imports from the subject country are positive and significant.

H. Causal link and other factors

98. The Rules mandates the Authority to examine the causal link between the dumped imports and the injury caused to the domestic industry on account of the dumped imports. The Authority has examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry. The following issues brought to the notice of the Authority have been examined along with the mandatory non-attribution factors, to see whether factors other than dumped imports, if any, could have contributed to the injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

(i) Volume and prices of imports from other sources

99. Import data examined shows that the imports of product under consideration from other countries are either *de-minimis* or at substantially higher prices. Therefore, the imports from other sources are not affecting the domestic industry.

(ii) Contraction in demand and/or change in pattern of consumption

100. The Authority notes that there is a significant increase in demand of the product in the domestic market since the base year. However, there is a slight decline in demand in the POI as compared to the preceding year, 2014-15. The interested parties have argued that the performance of the domestic industry has been affected because of the decline in demand and not because of the alleged dumped imports. The domestic industry has however, contended that though there is a decline in demand in the POI as compared to previous year 2014-15, there is an overall increase in demand over the injury period.

101. The Authority notes that the demand for the subject goods in the domestic market has declined by 5% in the POI as compared to 2014-15, whereas the sales of the domestic industry have declined by 7% in this period. Further, the dumped imports from the subject country account for about 20% of the demand in India in a declining market and have thereby worsened the condition of the domestic industry through their volume as well as price effects.

(iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

102. The Authority notes that there are a number of producers of the subject goods in India. No argument has been made by any interested party regarding unfair competition or trade restrictive practices adopted by any domestic players. The volume and value of goods imported during the period of investigation show that the goods are entering the Indian market without any restriction. The foreign producers and domestic industry are competing in the Indian market. Thus investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the alleged injury to the domestic industry.

(iv) Development in technology: -

103. No information has been supplied by any of the interested parties to indicate that there is any significant change in technology affecting the production and sale of the subject goods in India by the domestic industry. The investigation carried out does not show any significant change in technology or change in preference in pharmaceutical industry which could have affected the sector.

(v) Export performance of the domestic industry: -

104. The volume of exports of the domestic industry has declined in 2014-15 and remained at the same level in the POI. Nevertheless, the export sales have been found to be significantly profitable. However, the injury analysis in the previous section is based on the performance of the domestic industry in respect of its domestic sales. Prices and profitability in the domestic and export markets have been segregated by the Authority for the purpose of assessing injury to the domestic industry.

(vi) Productivity of the Domestic Industry

105. The interested parties have argued that the performance of the domestic industry has been affected because of the decline in productivity and not because of the alleged dumped imports. The domestic industry has however, contended that the decline in productivity was more significant in 2014-15 itself, when the import volume was highest.

106. The Authority notes that productivity of the domestic industry has declined due to the decline in production, caused by dumping and decline in demand, in the injury investigation period and not because of any other factor. Therefore, decline in productivity cannot be treated as a factor causing injury to the domestic industry.

I. Factors establishing causal link

107. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a) Imports are undercutting the prices of the domestic industry. The volume of imports has increased significantly.
- b) The price undercutting has led to significant increase in market share of imports and decline in market share of the Indian industry.
- c) The presence of dumped imports in the country is suppressing the prices of the domestic industry despite increase in cost.
- d) The subject imports are underselling the product sold by the domestic industry.
- e) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits is a direct consequence of dumped imports.
- f) As a result of significant price undercutting, production, sales and capacity utilisation of the domestic industry has not increased in proportion to increase in demand.
- g) The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price and volume related economic parameters.
- h) The Authority is of the view that material injury to the domestic industry has been caused by dumped imports

J. Conclusion on Injury and Causal Links

108. The above analysis indicates that the performance of the domestic industry has deteriorated during the injury investigation period on account of decline in production, sales, capacity utilization and market share; decline in profits and return on investments. Subject goods imported from the subject country have undercut the prices of the domestic industry and also have significant underselling effect on the domestic industry's selling prices. The injury suffered by the domestic industry is significant and material.

109. As noted earlier, significant volume of imports from the subject country at dumped prices have caused price depression leading to losses to the domestic industry in the POI, thereby affecting the performance of the domestic industry.

K. Post Disclosure Comments of the domestic industry and other Interested parties

110. Following comments have been made by various interested parties i.e. Domestic industry, Inner Mongolia Changsheng Pharmaceutical Co. Ltd., Zhuhai United Laboratories & associates, and, Economic & Commercial Counselors' Office, Embassy of the PRC in response to the disclosure statement:

L.1 Submissions by exporters and other interested parties

111. The following submissions were made by producers/ exporters/ other interested parties:

- a. That submissions made by the party earlier are either not considered or have been considered but not examined or addressed by the Authority in the disclosure statement.
- b. That submission of the party on disclosure of import data in excel file by the domestic industry, although included in disclosure statement, has not been examined.
- c. There is no price undercutting on the basis of this landed value and no injury caused by this exporter.
- d. Decline of 17% in imports in the POI cannot be regarded as marginal, it is significant.
- e. The Indian Authority decided not to calculate separate dumping margin for Zhuhai UL based on false statement that "Zhongshan Branch" exists as a producer of the product under consideration.

- f. Zhongshan branch is not an affiliated company of Zhuhai UL; it is only a branch organization of Zhuhai UL. There is no company called “Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co. Ltd. (Zhongshan Branch)”.
- g. The “Zhongshan Branch” is not an independent company; it is a plant of Zhuhai UL. Zhongshan branch’s activities are incorporated into Zhuhai UL’s parent company financial statement, not into Zhuhai UL’s consolidated financial statement as its subsidiary company.
- h. Zhongshan Branch does not produce product under consideration, it only produces domestic formulations.
- i. Zhuhai UL disclosed and introduced completely the information of Zhongshan branch in questionnaire response and verification as one of the plants of Zhuhai UL, which produces finished product and not PUC. It is clarified that Zhuhai United Laboratories (India) Ltd., is an inactive company and is not dealing with the product under consideration and accordingly, has not filed questionnaire response. In Annual Report for the year 2015, it has been specifically mentioned that Zhuhai United Laboratories (India) Ltd., is a 100% subsidiary of United Laboratories Holding Ltd., and is inactive during 2014 as well as 2015.
- j. The verification officers are satisfied with the explanations on questions regarding the business scope of Zhuhai UL’s affiliated companies as is evident from the verification report. No further questions were raised by the Indian authority.
- k. The exporter should have been provided opportunity for further explanation if the Authority had any doubts.

L.2 Submissions by Domestic Industry

112. The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows:

- a. The Authority is requested to give detailed clarity on the excluded goods for the purpose of proper implementation.
- b. The customs classification is indicative only. Only the contents of duty table are relevant. The Authority should specify in the duty table that the Product under consideration attracts duty regardless of the customs classification under which the goods are being imported.
- c. There is no MET claim established by any exporter from China.
- d. The dumping margin and injury margin are significantly positive.
- e. The imports from China have increased in absolute terms as well as in relation to total imports, production and consumption.
- f. There is a marginal decline in imports in the POI as compared to immediately preceding year 2014-15; however, imports in the POI are significantly higher than the base year 2012-13 as a result of aggressive pricing decisions taken by the domestic industry.
- g. Resultantly, the selling price of the domestic industry has declined sharply in the POI in response to the decline in the landed price of imports. The imports from the subject country had caused price depression in the POI.
- h. Price undercutting is positive and significant throughout the injury period, however, it is lower in the POI as the domestic industry resorted to aggressive pricing to match the import prices. The landed price in actual terms is below the selling price of the domestic industry and undercutting the domestic prices.
- i. Performance of the domestic industry has deteriorated in the injury period in terms of production, sales volume, capacity utilization, market share, inventory, capacity utilization, profits and return on investment. In a situation of losses, it would be difficult to sustain long term viability of the domestic industry.

- j. Growth of the domestic industry is adverse in terms of a number of parameters. Potential growth of the domestic industry would be severely negative in the event anti dumping duties on this product are not imposed immediately.
- k. The anti dumping duty is required to be imposed for a period of five years.
- l. The form of measure is required to be kept as fixed quantum expressed in US\$ terms.

L.3 Examination by the Authority

113. The Authority notes that post-disclosure comments/submissions made by the interested parties are mostly reiterations of earlier submissions, which have already been examined suitably and adequately and properly addressed in the disclosure statement or relevant paragraphs of the present finding and therefore for the sake of brevity not repeated hereunder. The authority further considers appropriate to address some of the issues raised by the interested parties herein below:

- a. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- b. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.
- c. As regards the argument of no price undercutting and injury, the Authority notes that the injury analysis carried out hereinabove is self explanatory to establish that the dumping has caused material injury to the domestic industry.
- d. As regards the argument of calculating separate dumping margin for Zhuhai UL, the Authority notes that there were no supporting documents provided during the verification visit regarding “Zhuhai United Laboratories (Zhongshan) Co. Ltd. being a part/branch/division of Zhuhai United Laboratories Co Ltd, China. Also, no evidence was provided to clarify the Business Activities of Zhuhai United Laboratories Co. Ltd (“Zhongshan Branch”). Hence, the Authority had rejected the questionnaire. However, in the post disclosure comments, documentary evidences provided by the firm producer/ exporter has been examined. On examination of the evidence submitted by the exporter in support of their post-disclosure claims for individual dumping margin and the claim made by the Economic & Commercial Counselors’ Office, Embassy of China PR, the Authority now considers to grant the same to the responding producers-exporters of Zhuhai group.
- e. As regards the submission of the domestic industry concerning form of duty, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, the mandate of the Designated Authority is to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the form of the anti-dumping measures is decided by the Authority taking in to consideration the facts and circumstances of a particular case. The Authority in the present investigation has recommended fixed form of duty in US\$ keeping in view the facts and circumstances of the case.

L. Indian industry's interest & other issues

114. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the subject goods to the consumers.

115. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

M. Conclusions:

116. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the Authority concludes that the subject goods are entering the Indian market from the subject country at dumped prices and performance of the domestic industry has deteriorated in the injury period due to the impact of the dumped imports from the subject country. The injury suffered by the domestic industry is significant and material.

N. Recommendations:

117. The Authority notes that this investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to exporters, importers and other interested parties to provide positive information and verifiable evidence on various aspects of dumping, injury and causal links. Having conducted the investigation as per the procedure prescribed and having established that the goods from the subject country are entering the Indian market at dumped prices and causing injury to the domestic industry through the volume and price effects, the Authority considers it necessary and appropriate to recommend imposition of anti dumping duty on imports of subject goods, from the subject country, in the form and manner described hereunder.

118. Having regard to the lesser duty rules followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury so determined in this finding for the period under investigation, so as to remove the injurious effects of the dumped imports on the domestic industry. Accordingly, anti dumping duty equal to the amount as indicated in Col 9 of the duty table given below, is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country for a period of five years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government.

Duty Table

Sl. No.	Sub	Description	Country	Country	Producer	Exporter	Duty	Unit	Currency
	Heading or Tariff Item	of Goods	of origin	of Export			Amount	of Measure	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29411030**	Amoxicillin	China PR	China PR	North China Pharmaceutical Group Semisyntech Co. Ltd. (Semisyntech)	North China Pharmaceutical Co. Ltd. (NCPC)	4.03	KG	US\$
2	-do-	-do-	China PR	China PR	Inner Mongolia Changsheng	Inner Mongolia Changsheng	3.00	KG	US\$

					Pharmaceutica l Co. Ltd. (Changsheng)	Pharmaceutica l Co. Ltd. (Changsheng)						
3	-do-	-do-	China PR	China PR	Zhuhai United Laboratories Co Ltd	-Zhuhai United Laboratories Co Ltd	2.83	KG	US\$			
					-United Laboratories Trading Co	-Team Crown Trading Company						
					United Laboratories Inner Mangolia	United Laboratories Inner Mangolia						
4	-do-	-do-	Chna PR	Chna PR	Any combination other than SN 1 to 3		8.71	KG	US\$			
5	-do-	-do-	Chna PR	Any country other than China	Any	Any	8.71	KG	US\$			
6	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	8.71	KG	US\$			

*Note: ** Above classification is indicative only and in no way binding on the scope of the product under consideration for the purpose of imposition of anti dumping duty.*

****The following types of products are excluded from the scope of the product under*

- (i) *Amoxycillin Sodium Sterile and Flucloxacillin Sodium Sterile,*
- (ii) *Amoxicillin Trihydrate Compacted Ampicillin Trihydrate Compacted*
- (iii) *Amoxicillin Trihydrate and Clavulanate Potassium*

119. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

120. An appeal against the order of the Central Government arising out of this findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

Dr. INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority